राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 28 अक्टूबर 2022 वर्ष-5,अंक-270 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा के रूट में 'महाकाल लोक' और अंबेडकर जन्मस्थली जुड़ेगी

भोपाल। उज्जैन में 'महाकाल लोक' को अब कांग्रेस भी भुनाना चाहती है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के मध्यप्रदेश रूट में बदलाव की तैयारी है। इसके मुताबिक राहुल अब महाकाल मंदिर भी जाएंगे। उज्जैन में जनसभा भी होगी। नर्मदा पूजन के बाद राहुल, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू भी जाएंगे। कांग्रेस का उज्जैन से हिंदू और महू से दलित-आदिवासी वोटर्स को आकर्षित करने का प्लान है।

राहुल की यात्रा इंदौर से गुजरेगी। गुरुवार को 10 कांग्रेसी नेता रूट स्कैनिंग करेंगे। इसके बाद ही फाइनल प्लान बनाया जाएगा। बता दें, पहले ये रूट राहुल की यात्रा चार्ट में शामिल नहीं थे।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बुरहानपुर के रास्ते 20 नवंबर को मध्यप्रदेश में एंट्री करेगी। प्रदेश में यात्रा के प्रभारी पीसी शर्मा के साथ पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, जीतू पटवारी, मुकेश नायक, अरुण यादव, महेंद्र जोशी, बाला बच्चन, रवि जोशी समेत करीब 10 नेता पूरे रूट का दौरा करेंगे। जिन जगहों पर यात्रा विश्राम करेगी, कांग्रेस नेता उन स्पॉट्स का निरीक्षण करेंगे। यात्रा में स्थानीय धर्मगुरुओं को भी आमंत्रित किया जाएगा।

राहुल की टीम से इंदौर में होगी मुलाकात

यात्रा प्रभारी पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने बताया कि पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ ने प्रदेश में यात्रा के लिए हर नेता को अलग-जिम्मेदारी सौंपी है। 27 अक्टूबर को हम भी रूट का निरीक्षण करेंगे। 28 अक्टूबर को यात्रा की टीम इंदौर आएगी। यहां हम लोग दिल्ली की टीम के साथ बैठक करेंगे। निरीक्षण की रिपोर्ट और यात्रा के सुझावों को भी शामिल करते हुए रूट और मप्र की यात्रा में

जरूरी बदलाव किए जाएंगे।

महू से ट्राइबल बेल्ट में मैसेज देने की कोशिश-मध्यप्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। राहुल की यात्रा जिस रूट से गुजरेगी, उसमें करीब 6 जिलों की 8 विधानसभाएं कवर होंगी। यात्रा के जरिए राहुल गांधी उज्जैन से बड़ा संदेश देंगे। यहां बड़ी जनसभा होगी। इसके लिए कमलनाथ ने पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा को प्रभारी बनाया है। निमाड़, मालवा से होते हुए यात्रा राजस्थान की तरफ जाएगी, लेकिन मप्र के जिस इलाके से यात्रा गुजरेगी, उसे आदिवासी बहुल माना जाता है। लिहाजा, यात्रा में भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू जाने और आदिवासी सेनानायकों से जुड़े स्थानों पर जाने का कार्यक्रम भी बनाया जा रहा है। उज्जैन से हिंदुत्व और महू से एससी, एसटी वोटर्स को साधने का संदेश दिया जाएगा।

इंदौर के बीचों-बीच से गुजरेगी यात्रा

यात्रा मप्र की धर्मनगरी उज्जैन और आर्थिक राजधानी इंदौर से गुजरेगी। राहुल गांधी की यात्रा इंदौर शहर के बीचों बीच से गुजरेगी। इंदौर कांग्रेस के नेताओं ने सुझाव दिया है कि यात्रा राजबाड़ा से गुजरे। यहां अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा पर राहुल माल्यार्पण करें। यहां मराठी वोटर्स बड़ी संख्या में हैं। राजबाड़े पर राहुल की यात्रा गुजरने से शहरी वोटर्स से संवाद कराया जा सकता है। अलग-अलग श्रमिक वर्गों और व्यापारिक संगठनों के साथ राहुल मुलाकात कर सकते हैं।

कमलनाथ ने नेताओं को दिया जिम्मा

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने यात्रा को लेकर कांग्रेस नेताओं को जिम्मेदारी दी है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह को प्रशासन से परमिशन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सज्जन सिंह वर्मा को आम सभाएं आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है। विधायक संजय शुक्ला, नीरज दीक्षित खान-पान की व्यवस्था देखेंगे। विधायक विशाल पटेल, संजय शुक्ला यात्रियों की रुकने की व्यवस्था देखेंगे।

अजय सिंह मॉनिटरिंग करेंगे। निलय डागा परिवहन की जिम्मेदारी निभाएंगे। यात्रा को प्रभावी बनाने के लिए 70 विधायकों को भी लगाया गया है। यात्रा की तैयारियों की जिम्मेदारी कमलनाथ ने अपने हाथों में ली है। यात्रा के मध्यप्रदेश प्रभारी पीसी शर्मा रोज समीक्षा कर रहे हैं।

म्यूजिक वीडियो, दिवाली का जश्न; 40 दिनों की पैरोल पर मजे में है डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम

नई दिल्ली। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम पैरोल पर बाहर है। बलात्कार और हत्या का दोषी बाबा 40 दिनों की राहत के दौरान सत्संग, म्यूजिक वीडियो और दिवाली के जश्न में व्यस्त है। खास बात है कि पैरोल को लेकर राजनीति भी गर्म है। भारत में राजनेता नियमों की तुलना विदेश से कर रहे हैं। हालांकि, जेल जाने से पहले भी वह लाइफस्टाइल के कारण खासी चर्चा में रहा है।

हनीप्रीत का बदला नाम

26 अक्टूबर को राम रहीम ने गोद ली हुई बेटी हनीप्रीत का नाम बदलने की ऐलान किया। इसके बाद अब हनीप्रीत रुहानी दीदी या रूह दी के नाम से जानी जाएंगी। खास बात है कि हनीप्रीत को भी पुलिस ने साल 2017 में गिरफ्तार किया था। उनपर पंचकूला और अन्य जगहों पर दंगा भड़काने के आरोप थे। साल 2019 में उन्हें जमानत मिल गई थी।

दिवाली म्यूजिक वीडियो

दिवाली के मौके पर राम रहीम के यूट्यूब चैनल संत एमएसजी पर म्यूजिक वीडियो जारी हुआ। खास बात है कि इसका म्यूजिक भी डेरा प्रमुख ने दिया है और गाया भी है। इतना ही नहीं उन्होंने लिरिक्स, कंपोजिंग, निर्देशन भी खुद ही किया है। हालांकि, इससे पहले भी कई गाने तैयार कर चुके हैं।

ऑनलाइन सत्संग-इसके अलावा डेरा प्रमुख ऑनलाइन सत्संग में भी व्यस्त है। कहा जा रहा है कि वह जेल में काटे गए समय के दौरान किताब लिखने का भी मन बना रहा है। इधर, भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा इकाई ऑनलाइन सत्संग में शामिल होने के चलते निशाने पर आ गई है। दरअसल, हरियाणा की आदमपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव और पंचायत चुनाव के चलते पहले ही राजनीतिक पारा गर्म है। डेरा प्रमुख सिरसा स्थित आश्रम में दो साध्वियों के बलात्कार के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

देश के इन राज्यों में 29 अक्टूबर से होगी बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में इस बात की भविष्यवाणी की है कि 29 अक्टूबर से देश के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में निचले क्षोभमंडल के स्तर में उत्तर-पूर्वी हवाओं के साथ पूर्वोत्तर मानसून की बारिश हो सकती है। पूर्वानुमान में यह भी कहा गया है कि एक चक्रवाती परिसंचरण वर्तमान में पश्चिम मध्य और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के निचले क्षोभमंडल स्तरों में बना हुआ है।

इसके अलावा, मौसम विभाग ने कहा कि निचले क्षोभमंडल स्तरों में एक ट्रफ रेखा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से तमिलनाडु होते हुए बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी तक जाती है।

आईएमडी ने कहा, उपरोक्त स्थितियों के कारण 29 और 30 अक्टूबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी,

कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा और केरल में अलग-अलग जगहों पर बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने कहा है, 30 अक्टूबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। अगले दो दिनों के दौरान उत्तर-पूर्वी राज्यों और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग जगहों पर हल्की वर्षा की संभावना है। पूर्वानुमान में यह भी कहा गया है कि अगले पांच दिनों के दौरान देश के बाकी हिस्सों में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

छठ पर केजरीवाल को भाजपा नेताओं ने दी चुनौती यमुना में लगाकर दिखाओ डुबकी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनौती दी है कि वह छठ पूजा के दौरान उनके साथ यमुना में डुबकी लगाएं। शर्म की बात है कि दिल्ली सरकार छठ पूजा के लिए श्रद्धालुओं को साफ पानी तक उपलब्ध नहीं करा पा रही है।

1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर व्हाट्सएप करें

उन्होंने कहा कि यमुना किनारे छठ घाट पूजा की अनुमति के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना को धन्यवाद दिया और कहा है कि केजरीवाल इस मामले में भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे। वहीं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने आज सैकड़ों कार्यकर्ताओं

के साथ ढाई पुस्ता सोनिया विहार यमुना तट पर सांकेतिक स्वच्छता अभियान के लिए श्रमदान कर सफाई अभियान का शुभारंभ किया।

मनोज तिवारी ने बातचीत में कहा कि आस्था के साथ खिलवाड़ करने और पूर्वांचलवासियों का अपमान करने की कोई गुंजाइश न छोड़ने वाले अरविंद केजरीवाल को मैं शुरू से समझाने की कोशिश कर रहा था कि छठ पूजा से यमुना निर्मला और स्वच्छ होगी क्योंकि महापर्व छठ से पहले छठ व्रती स्वयं किनारों को साफ सुथरा करते हैं क्योंकि यह पर्व स्वच्छता और पवित्रता का प्रतीक है।

जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना के जवानों ने भी मनाया भाई दूज का त्योहार

जम्मू। देशभर में भाई दूज का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दिन बहनें अपने भाई को तिलक लगाती हैं और उनकी लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करती हैं। वहीं, देश की सुरक्षा में दिन-रात लगे जवान भी भाई दूज का त्योहार मना रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले से भारतीय सेना की भाई दूज मनाने की तस्वीरें आई हैं। इन तस्वीरों में कुछ महिलाएं आर्मी जवानों को टीका लगाती दिख रही हैं।

भाई दूज के मौके पर जवानों ने महिलाओं को उपहार भी भेंट किए। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, गुलपुर सेक्टर में एलओसी पर भारतीय

सेना की दुर्गा बटालियन के जवानों ने महिलाओं के साथ भाई दूज का त्योहार मनाया।

भाई दूज का त्योहार हर साल कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाया जाता है। बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र के लिए यमराज की पूजा करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि भाई दूज के दिन यम देवता की पूजा करने मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

क्लोरीन गैस लीक से भोपाल में हड़कंप

क्रेन से एक टन के सिलेंडर को पानी में डालकर किया गया ब्लॉक, कई इलाकों में पानी सप्लाई बाधित

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में क्लोरीन गैस लीक होने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दहशत में लोग घर छोड़कर सडकों पर आ गए। %गैसकांड% की इस घटना के बाद एहतियात बरतते हुए प्रभावित इलाके में पानी की सप्लाई आज रोक दी गई है। वहीं, घटना की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

भोपाल में गैस लीकेज की घटना के बाद गैस राहत मंत्री विश्वास सारंग ने निरीक्षण किया।भोपाल में गैस लीकेज की घटना के बाद गैस राहत मंत्री विश्वास सारंग ने निरीक्षण किया।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की एक बस्ती में क्लोरीन गैस लीक होने से हड़कंप मच गया। सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन के बाद लोग दहशत में आ गए और घरों से बाहर निकलकर सड़क पर इकट्ठा हो गए।

अचानक हुए इस गैसकांड की सूचना जैसे ही प्रशासन को मिली, कलेक्टर और नगर निगम कमिश्नर मौके पर पहुंच गए। गैस लीक के बाद सांस लेने में ज्यादा दिक्कत होने के चलते 3 लोगों को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनकी हालत अब ठीक है।

क्लोरीन गैस लीकेज की घटना बुधवार रात भोपाल की मदर इंडिया कॉलोनी बस्ती में हुई। आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ होने के बाद बस्ती के लगभग सभी लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। इलाके के लोगों ने इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दी और कुछ ही देर में मौके पर नगर निगम की एक टीम पहुंच गई। भोपाल कलेक्टर और नगर निगम कमिश्नर भी मौके पर पहुंचे।

नगर निगम की टीम को शुरुआती जांच के बाद पता चला कि क्लोरीन गैस का लीकेज बस्ती के पास ही बने वाटर फिल्टर प्लांट से हो रहा है। प्लांट में लगे करीब 900 किलोग्राम के सिलेंडर का नोजल खराब हो गया था। इसलिए उस सिलेंडर से गैस लीक हो रही थी।

नोटों पर लगे शिवाजी की फोटो, लक्ष्मी-गणेश के बाद अब भाजपा विधायक की नई मांग

मुंबई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा भारतीय करेंसी पर लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर लगाने की मांग के बाद सियासत तेज हो गई है। देश के अलग-अलग हिस्सों से अलग-अलग मांगें शुरू हो गई हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नितेश राणे ने मराठा आइकन छत्रपति शिवाजी की तस्वीर लगाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने 200 रुपए की एक फोटोशॉप की हुई तस्वीर भी पोस्ट की है।

गुजरात चुनाव से पहले केजरीवाल का हिंदुत्व कार्ड

गुजरात चुनाव को देखते हुए अरविंद केजरीवाल ने हिंदुत्व कार्ड खेला है। उन्होंने सुझाव दिया है कि देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की तस्वीरों को भारतीय मुद्रा पर अंकित किया जाए। उन्होंने तर्क दिया है कि यह अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का एक तरीका हो सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट को रोकने में भी मदद कर सकता है।

इस सुझाव पर भाजपा की ओर से नाराजगी है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आप प्रमुख पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा ने कहा कि केजरीवाल अपनी सरकार की खामियों और आम आदमी पार्टी की हिंदू विरोधी

मानसिकता से लोगों का ध्यान हटाने के लिए राजनीतिक ड्रामा कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, केजरीवाल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो कहा है वह उनकी यू-टर्न की राजनीति का एक और विस्तार है। उनका पाखंड दिखाई दे रहा है। वहीं, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि आप ने हिंदू देवी-देवताओं के साथ दुर्व्यवहार किया, लेकिन अब वह चुनाव से पहले चेहरा बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने राम मंदिर का विरोध किया, वे नया मुखौटा लेकर आए हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल महात्मा गांधी को दरकिनार करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्विटर पर उन्हें एक हिंदू विरोधी कट्टरपंथी करार दिया है।

भाजपा ने इससे पहले भी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, जब केजरीवाल ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान हनुमान चालीसा का पाठ किया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था, ÷अभी तो केवल केजरीवाल ने हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू किया है। प्रतीक्षा करे, आप ओवैसी को भी एक दिन हनुमान चालीसा पढ़ते हुए सुन पाएंगे।÷

संपादकीय

यह स्वाभाविक प्रक्रिया है। चीन और भारत एक-दूसरे के महत्वपूर्ण पड़ौसी हैं। उन्हें अपने मतभेदों को आपसी संवाद द्वारा समाप्त करना चाहिए। दोनों की शासन-व्यवस्थाओं का चरित्र भिन्न है और दोनों की विकास-प्रक्रिया भी अलग-अलग है लेकिन यदि दोनों राष्ट्र एक-दूसरे का सम्मान करें और उनकी आंतरिक व्यवस्थाओं में हस्तक्षेप न करें तो दोनों के संबंध सहज हो सकते हैं।

भारत-चीनः सहज संबंध कैसे बनें?

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

नई दिल्ली से चीनी राजदूत सन वेइ दोंग की विदाई के समय हमारे विदेशमंत्री जयशंकर और राजदूत सन ने जो बातें कहीं हैं, उन पर दोनों देशों के नेता और लोग भी ज़रा गंभीरतापूर्वक विचार करें तो इस 21 वीं सदी में दुनिया की शक्ल बदल सकती है। जयंशकर ने कहा है कि इन दोनों के बीच यदि आपसी संवेदनशीलता, आपसी सम्मान और आपसी हितों को ध्यान में रखकर काम किया जाए तो न केवल इन दोनों देशों का भला होगा बल्कि विश्व राजनीति भी उससे लाभान्वित होगी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव खत्म करने के लिए यह जरुरी है कि सीमा क्षेत्रों में शांति बनी रहे। जयंशकर के जवाब में बोलते हुए चीनी राजदूत सन ने कहा कि दोनों राष्ट्र पड़ौसी हैं। पड़ौसियों के बीच मतभेद और अनबन कोई अनहोनी बात नहीं है। यह स्वाभाविक प्रक्रिया है। चीन और भारत एक-दूसरे के महत्वपूर्ण पड़ौसी हैं। उन्हें अपने मतभेदों को आपसी संवाद द्वारा समाप्त करना चाहिए। दोनों की शासन-व्यवस्थाओं का चरित्र भिन्न है और दोनों की विकास-प्रक्रिया भी अलग-अलग है लेकिन यदि दोनों राष्ट्र एक-दूसरे का सम्मान करें और उनकी आंतरिक व्यवस्थाओं में हस्तक्षेप न करें तो दोनों के संबंध सहज हो सकते हैं। दोनों राष्ट्रों के संबंधों में इधर जो उतार-चढ़ाव आए हैं, उन्हें दूर करना मुश्किल नहीं है। इन दोनों कूटनीतिज्ञों ने जो कुछ कहा है, उसे कोरी औपचारिकता कहकर दरी के नीचे सरका देना ठीक नहीं है। भारत और चीन को एक-दूसरे का प्रतिद्वंदी या शत्रु मानकर कुछ शक्तिशाली राष्ट्र फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन भारत उनसे जुड़ने के बावजूद काफी सतर्क है। यहां हमें यह समझने की जरुरत है कि चीन के साथ 1962 में भयंकर युद्ध होने के बावजूद दशकों से दोनों देशों के बीच शांति बनी रही है, दोनों देशों के शीर्ष नेता एक-दूसरे के यहां आते-जाते रहे हैं और उनका आपसी व्यापार भी आसमान छूता रहा है। गलवान घाटी की मुठभेड़ के बावजूद आपसी व्यापार में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है। दोनों देशों के फौजी भी सहज रूप से वार्तालाप चला रहे है। पाकिस्तान के नेताओं से जब भी मेरी भेंट होती थी, मैं उन्हें हमेशा भारत-चीन संबंधों की सहजता की मिसाल पेश किया करता था। मुझे कई बार चीनी विश्वविद्यालयों में भाषणों के लिए चीन की लंबी यात्राएं करनी पड़ी हैं। मैं यह सुनकर दंग रह जाता था कि साधारण चीनी लोग भारत को 'गुरु देश' और 'पश्चिमी स्वर्ग' कहते थे। कुछ बौद्ध चीनियों ने मुझे कहा कि रोज़ सुबह वे अपनी प्रार्थना में कहते हैं कि हमारा अगला जन्म अगर हो तो वह बुद्ध के देश भारत में ही हो। हमारे विदेश मंत्री जयशंकर चीन में हमारे राजदूत भी रह चुके हैं। वे यदि थोड़ी पहल करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें वैसा करने दें तो कोई आश्चर्य नहीं कि भारत और चीन के संबंध सिर्फ सामान्य ही नहीं हो जाएंगे, ये दोनों महान राष्ट्र मिलकर 21 वीं सदी को एशिया की सदी भी बना सकते हैं।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

सूक्ति

जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है, वह शक्तिमान होकर भी कायर है और पंडित होकर भी मूर्ख है।
- रामप्रताप

विश्व के निर्माण में जिसने सबसे अधिक संघर्ष किया है और सबसे अधिक कष्ट उठाए हैं वह माँ है।
- हर्ष मोहन

लॉफिंग ज़ोन

पति ने अपनी नई-नवेली दुल्हन से कहा,'प्रिय ! शादी से पहले मैं काफी आवारागर्दी किया करता था, क्या तुम भी शादी से पहले कुछ ऐसा-वैसा करती थी?'

पत्नी ने थोड़ा शरमाते हुए कहा, 'बिना गुण मिले शादी थोड़े ही होती हैं.'

☺ ☺ ☺

दो स्त्रियां बातें कर थीं. एक बोली, 'सामने मकान में वह जो खूबसूरत लड़का रहने आया है उसने कल मुझे चांद कहा.'

दूसरी (हैरान होकर),'तुम्हें? वह कैसे?'

पहली,'कल मेरी बेटी जब उसके सामने से गुजरी तो उसने कहा, हाय :क्या चांद का टुकड़ा है.'

☺ ☺ ☺

मरे पति की कब्र पर पत्नी ने संगमरमर का पत्थर लगवाया, जिस पर लिखा था,'शांति से सोते रहो.' लेकिन तीन दिन बाद जब वसीयत खुली और पत्नी को पता लगा कि पति उसके नाम कुछ भी छोड़कर नहीं गया तो वह दोबारा कब्रिस्तान गई और पत्थर पर यह शब्द भी खुदवा दिए,'जब तक मैं नहीं आ जाती.'

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी का 2 लाख रुपए का बीमा करवाया और पेपरों पर हस्ताक्षर करते हुए उसने बीमा एजेंट से पूछा,'अगर भगवान न करे कल मेरी पत्नी इस दुनिया से चल बसती है तो ऐसी सूरत में मुझे क्या मिलेगा?' 'ज्यादा से ज्यादा फांसी की सजा.'

बदल रही है भारत की तस्वीर, धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को मिल रहा है बल

लेखक- प्रहलाद सबनानी

हिंदू समाज के अलावा शेष समस्त समुदाय अपने धर्मस्थल स्वयं चलाने के लिए पूर्ण स्वतंत्र हैं। दुनिया के जितने भी विकसित देश हैं उन्होंने अपने धार्मिक स्थलों को बेहद खूबसूरत बनाकर दूसरे धर्मों में विश्वास रखने वाले व्यक्तियों को आकर्षित कर अपने यहां पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। वहीं कुछ वर्ष पूर्व तक भारत के मंदिरों को पूर्णतया नजरंदाज किया जाता रहा है। इस दृष्टि से वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की जितनी भी सराहना की जाय उतना कम है।

हिंदू सनातन संस्कृति में धर्म एवं आध्यात्म का विशेष महत्व है। हाल ही के समय में देश में एतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण मंदिरों एवं अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ख्याति के धर्मस्थलों का जीर्णोद्धार एवं विकास किया जा रहा है। जिसके चलते इन शहरों में धर्मावलम्बियों की यात्रा में जबरदस्त उछाल देखने में आया है और इसके कारण पर्यटन के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन क्षेत्र में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। वर्ष दर वर्ष, भारत में धार्मिक पर्यटन बढ़ने की वजह से होटल उद्योग, यातायात उद्योग, छोटे व्यवसायियों आदि को बहुत फायदा हो रहा है एवं वर्ष 2028 तक भारत के पर्यटन क्षेत्र में लगभग एक करोड़ रोजगार के नए अवसर निर्मित होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

नेशनल सैंपल सर्वे संगठन के अनुसार, भारत में करीब 5 लाख मंदिर और तीर्थस्थल हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था 3 लाख करोड़ रुपए से भी अधिक की है। साथ ही देश में मस्जिदों की संख्या भी करीब 7 लाख और गिरजाघरों की संख्या 35,000 के आसपास है। केंद्र की पूर्व सरकारों की गल्त नीतियों के चलते भारत के लगभग 4 लाख मंदिर सरकार के नियंत्रण में हैं तो वहीं एक भी चर्च या मस्जिद पर सरकार का नियंत्रण नहीं है। हिंदू समाज के अलावा शेष समस्त समुदाय अपने अपने धर्मस्थल स्वयं चलाने के लिए पूर्ण स्वतंत्र हैं। दुनिया के जितने भी विकसित देश हैं उन्होंने अपने धार्मिक स्थलों को बेहद खूबसूरत बनाकर दूसरे धर्मों में विश्वास रखने वाले व्यक्तियों को आकर्षित कर अपने यहां पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। वहीं कुछ वर्ष पूर्व तक भारत के मंदिरों को पूर्णतया नजरंदाज किया जाता रहा है। इस दृष्टि से वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की जितनी भी सराहना की जाय उतना कम है। निश्चित रूप से इस तरह के प्रकल्पों पर करोड़ों रुपयों का खर्च होता है परंतु विकसित होने के बाद इन केंद्रो पर पर्यटन की सम्भावनाएं बहुत बढ़ जाती हैं।

अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल की विशाल मूर्ति की स्थापना, वाराणसी में भगवान काशी विश्वनाथ कारीडोर का निर्माण, सोमनाथ मंदिर में माता पार्वती के देवस्थान का निर्माण, माता कालिका के मंदिर का पुनरोत्थान, केदारनाथलबद्रीनाथ का परिसंस्करण करना एवं इसके बाद अभी हाल ही में उज्जैन में श्री महाकाल लोक जैसे स्थल की स्थापना जैसे प्रयास पूरे विश्व में एक नए भारत की तस्वीर पेश करने में सफल रहे हैं। उक्त लगभग समस्त तीर्थलस्थलों की आत्मा में महादेव शिव विराजमान हैं। उज्जैन तो कालजयी महाकवि कालिदास, सम्राट विक्रमादित्य, बाल रूप में श्रीकृष्ण और महाकाल ज्योतिर्लिंग की पवित्र भूमि भी रही है। इसी प्रकार, अयोध्याजी में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर तेजी से नया आकार ले रहा है। इसके साथ ही, रामायण, कृष्ण, बौद्ध और तीर्थंकरों के सर्किट भी विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही, पुणे के देहू में नये तुकाराम महाराज मंदिर, गुजरात के पावागढ़ मंदिर के ऊपर बने कालिका माता मंदिर के पुनर्निर्माण का उद्घाटन भी किया जा चुका है।

इक्सिगो की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में धार्मिक पर्यटन का चलन बढ़ने की वजह से वाराणसी और पुरी में होटल की बुकिंग अन्य शहरों की तुलना में अधिक रही है। पुरी और वाराणसी में पर्यटक सिर्फ धार्मिक यात्रा ही नहीं बल्कि योग रिट्रीट और आयुर्वेद स्पा का आनंद लेने भी आ रहे हैं। सरकार की तरफ से प्रसाद, स्वदेश दर्शन, उड़ान जैसी योजना शुरू करने की वजह से भी देश में धार्मिक पर्यटन बढ़ा है। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय होटल चैन भी अब धार्मिक स्थलों पर नए नए होटलों का निर्माण कर रही हैं।

धर्मस्थलों के जीर्णोद्धार एवं विकास के चलते उत्तर प्रदेश तो पर्यटन के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। वाराणसी में पर्यटन के क्षेत्र में पिछले केवल 4 चार वर्षों के दौरान 10 गुना से अधिक की बढ़ोत्तरी हुई है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से इसमें बड़ा उछाल आया है। वहीं, राज्य का पर्यटन विभाग भी इस दिशा में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। यहां वाटर टूरिज्म को बढ़ावा दिया गया है, जिसके तहत चार क्रूज संचालित हो रहे हैं। देव दीपावली के इतर गंगा आरती, पंचकोसी यात्रा, अंतरग्रही परिक्रमा, घाटों का सुंदरीकरण, सारनाथ का विकास, गलियों का कायाकल्प भी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इसी प्रकार उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में इस बार रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। चार धाम यात्रा में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम शामिल हैं। वर्ष 2022 में अभी तक 41 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। जबकि, 2019 में यह संख्या लगभग 35 लाख थी। इसी दौरान 15 लाख श्रद्धालु बद्रीनाथ पहुंचे, 14 लाख से ज्यादा यात्री केदारनाथ, 6 लाख से ज्यादा यात्री गंगोत्री और 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु यमुनोत्री पहुंचे हैं। वहीं, इस वर्ष 14 सितंबर तक देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी 35 लाख के पार पहुंच गई है। इसी प्रकार जम्मू एवं कश्मीर में भी जनवरी 2022 से अभी तक 1.62 करोड़ पर्यटक पहुंचे हैं। विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड एकोनोमिक फोरम) के अनुसार पर्यटन प्रतिस्पर्धा इंडेक्स में वर्ष 2013 में भारत का वैश्विक स्तर पर 65वां स्थान था जो वर्ष 2019 में सुधरकर 34वें स्थान पर आ गया है। यह सुधार भारत सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में लागू किए गए सुधार कार्यक्रम के कारण सम्भव हो सका है। अब तो भारतीय पर्यटन उद्योग कोरोना महामारी के पूर्व के समय के स्तर से भी आगे निकल गया है। यह मुख्यतः देश में धार्मिक पर्यटन के बढ़ने के कारण सम्भव हो पाया है।

प्रधानमंत्री नवोन्मेष शिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा था कि भारत को एक वैज्ञानिक पुनर्जागरण और सांस्कृतिक पुनरुद्धार की आवश्यकता है क्योंकि किसी भी सभ्यता को विकसित करने के लिए विज्ञान और संस्कृति दोनों आवश्यक रहे हैं। भारत को राजनीतिक स्वतंत्रता तो 15 अगस्त 1947 को ही मिल गई थी परंतु भारत इस दौरान सांस्कृतिक परतंत्रता का शिकार रहा है। हालांकि पिछले 8 वर्षों के दौरान भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। जिसके कारण भारत के नागरिकों में उत्साह का संचार स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सरयू नदी के 37 घाटों के तट पर इस वर्ष 15.76 लाख दीप प्रज्वलित कर अयोध्या की दीपावली को एक नया रूप दिया गया है। यह अपने आप में एक रिकार्ड है।

नागरिकों में इस नए उत्साह के चलते इस वर्ष दीपावली पर्व पर देश में रिकार्ड व्यापार हुआ है। जहां पूर्व में, दीपावली त्यौहार के दौरान लगभग एक लाख करोड़ रुपए का व्यापार होने की बात की जाती रही हैं वहीं इस वर्ष त्यौहारी मौसम के दौरान 2.50 लाख करोड़ रुपए का व्यापार होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण जो पिछले सात माह से प्रति माह 1.40 लाख करोड़ से अधिक राशि का रहता आया है वह दीपावली पर्व के चलते अक्टोबर 2022 माह में 1.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि का रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार भारतीय त्यौहार देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में अपना भरपूर योगदान देते नजर आ रहे हैं।

केवल भारत ही क्यों बल्कि पूरे विश्व में ही आज भारतीय संस्कृति का डंका बजता दिखाई दे रहा है। इसका सबसे ताजा उदाहरण अमेरिका में देखने में आया है। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में वर्ष 2023 से दीपावली के पावन पर्व पर पब्लिक स्कूलों में छुट्टी रहने की घोषणा की गई है।

नए जिलों के गठन में उलझी गहलोत सरकार

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में शीघ्र ही कुछ और नए जिलों का गठन करने की बात कह कर एक नई चर्चा छेड़ दी है। इसके बाद बहुत बड़ी संख्या में नए जिलों के गठन की मांग होने लगी है। पूर्व आईएएस अधिकारी राम लुभाया के नेतृत्व में एक हाई पावर कमेटी का गठन किया गया है। जिसको प्रदेश में भौगोलिक दृष्टि से नए जिलों के गठन के बारे में सरकार को सुझाव देना है। इस हाई पावर कमेटी का कार्यकाल 21 मार्च 2023 तक निश्चित किया गया है। अगले साल प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत चाहते हैं कि चुनाव से पूर्व कमेटी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपे। ताकि समय रहते सरकार नए जिलों के गठन की कवायद पूरी कर सके और चुनाव से पहले नए जिले काम करने लगे। राजस्थान में अभी 33 जिले हैं। जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रांत है। राजस्थान का क्षेत्रफल 3 लाख 42 हजार 236 वर्ग किलोमीटर है। जो जर्मनी जैसे देश से भी बड़ा है। क्षेत्रफल में राजस्थान से छोटे मध्य प्रदेश में 55 जिले हैं। जबकि अरुणाचल प्रदेश जैसे छोटे से राज्य में ही जिलों की संख्या 25 हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में 28 जिले हैं। 26 जनवरी 2008 में प्रतापगढ़ को राजस्थान का 33 वां जिला बनाया गया था। उसके बाद पिछले 14 वर्षों में प्रदेश में नए जिले के गठन की मांग लगातार उठती रही है। 2014 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने भी सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी परमेश चंद्र की अध्यक्षता में एक हाई पावर कमेटी का गठन किया था। उस कमेटी ने प्रदेश में नए जिले बनाने संबंधी अपनी रिपोर्ट सरकार को दे दी थी। लेकिन सरकार ने तब कोई नया जिला नहीं बनाया था। 1 नवम्बर 1956 को राजस्थान के गठन के वक्त प्रदेश में 26 जिले थे। फिर 15 अप्रैल 1982 को प्रदेश में धोलपुर को 27 वां जिला बनाया गया था। 10 अप्रैल 1991 को एक साथ तीन नये जिले बारां, दौसा व राजसमंद बनाये गये थे। 12 जुलाई 1994 में हनुमानगढ़, 19 जुलाई 1997 में करौली, 26 जनवरी 2008 को प्रतापगढ़ जिला बना था। नए जिलों के गठन के लिए बनाई गई हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष राम लुभाया का कहना है कि किन शहरों को नया जिला बनाया जा सकता है इसके लिए विस्तृत अध्ययन चल रहा है। हम अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों से भी सलाह मशविरा कर रहे हैं। आने वाले समय में जल्दी ही हम रिपोर्ट मुख्यमंत्री गहलोत को सौंप देंगे। उसके बाद सरकार अपने स्तर पर निर्णय लेगी कि कहां-कहां नए जिले बनाए जाने उचित है। राजस्थान में नए जिलों के गठन के लिए जैसे ही हाई पावर कमेटी बनाई गई उसके बाद प्रदेश में करीबन 60 स्थानों से नए जिले बनाने की मांग होने लगी है। कई स्थानों पर तो नए जिलों के गठन को लेकर कांग्रेस पार्टी के ही मंत्री, विधायक आपस में एक दूसरे से तकरार करने लगे हैं। बाड़मेर जिले के कांग्रेसी विधायक मदन प्रजापत ने करीबन डेढ़ वर्ष पहले अपने विधानसभा क्षेत्र बालोतरा को जिला बनाने की मांग को लेकर विधानसभा में ही सौगंध ली थी कि जब तक बालोतरा जिला नहीं बन जाएगा वे जूते नहीं पहनेंगे। बालोतरा अभी तक जिला नहीं बन पाया है। इसलिए विधायक मदन प्रजापत को बिना जूता चप्पल पहने ही घूमना पड़ता है। आगे यदि बालोतरा जिला नहीं बन पाता है तो बेचारे मदन प्रजापत को तो हमेशा नंगे पैर ही घूमना पड़ सकता है। सीकर जिले के नीमकाथाना को जिला बनाने के लिए कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी अपना पूरा दमखम लगाए हुए हैं। वही नीमकाथाना में झुंझुनू जिले के उदयपुरवाटी व खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र को शामिल करने के प्रस्ताव पर उदयपुरवाटी के विधायक व सैनिक कल्याण राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा की सुरेश मोदी से तकरार हो रही है। गुढ़ा का कहना है कि नीमकाथाना जिला बनने की शर्तें पूरी नहीं करता है। यदि नीमकाथाना जिला बनता है तो उससे पहले मैं उदयपुरवाटी को जिला बनवा दूंगा। इसी तरह मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार व पूर्व मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी खेतड़ी क्षेत्र को प्रस्तावित नीमकाथाना जिला में शामिल करने का विरोध किया है। अभी राजस्थान के 33 में से 22 जिलों में करीबन 50 से 60 शहरों को जिला बनाने की मांग हो रही है। नए जिलों के गठन को लेकर इतनी अधिक राजनीति हो रही है कि लोग नए जिलों के गठन के मापदण्ड को भी भूल गए हैं। नए जिलों के गठन के लिए कुछ मापदंड निर्धारित होते हैं। जिनके आधार पर नए जिलों के प्रस्ताव लिए जाते हैं। हालांकि नए जिलों के गठन में सबसे बड़ी भूमिका तो राजनीति की ही रहती है। राजनीतिक फैसलों से कई बार वास्तविक शहर रह जाते हैं और छोटे शहरों को जिला बना दिया जाता है। राजस्थान में कई जिले तो इतने बड़े हैं कि वहां वास्तव में ही नए जिले बनाने की जरूरत है। जयपुर जिला आबादी और क्षेत्रफल के लिहाज से बहुत बड़ा है। जयपुर से हटाकर दौसा जिला बनाने के बाद भी जयपुर की आबादी तेजी से बढ़ी है। जयपुर जिला मुख्यालय से कोटपूतली की दूरी 100 किलोमीटर से भी अधिक है। वहीं शाहपुरा, फुलेरा भी जयपुर से दूर होने के साथ ही आबादी में भी बढ़ रहे हैं। जयपुर जिले में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित कोटपूतली को जिला बनाने की मांग बहुत पुरानी है। यदि कोटपूतली नया जिला बनता है तो प्रशासनिक दृष्टि से बहुत ही उपयोगी साबित हो सकता है। कोटपूतली, बहरोड, नीम का थाना, शाहपुरा जैसे क्षेत्र के लोगों को बहुत सुविधा होगी। और सबसे बड़ी बात नीमकाथाना, उदयपुरवाटी के विधायकों का जिले को लेकर चल रहा झगड़ा भी समाप्त हो जाएगा। अजमेर जिले में ब्यावर को जिला बनाने की मांग बहुत पुरानी है और जायज भी है। इसी तरह जोधपुर जिले में फलौदी को नया जिला बनाया जाता है तो आसपास के दो तीन जिलों के क्षेत्र शामिल हो सकते हैं। बाड़मेर, जैसलमेर जिलों का क्षेत्रफल आज भी बहुत बड़ा है। हालांकि जनसंख्या वहां कम हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित होने के कारण वहां भी नए जिले बनने से प्रशासनिक मजबूती मिल सकती है। नागौर जिले में डीडवाना व कुचामन सिटी को जिला बनाने की मांग की जा रही है जो सर्वथा उपयुक्त भी है। कुचामन सिटी एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन होने के साथ ही बड़ा शहर है जो शिक्षा नगरी के नाम से प्रसिद्ध है।

यहां की आबादी करीबन ढ़ाई लाख से भी अधिक है। जो नागौर जिला मुख्यालय से ज्यादा है।

(चिंतन-मनन)

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुत- प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई। सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शापाङ्ग में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 101 रुपये नीचे आकर 51,024 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में सोना 51,125 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी की कीमत भी 334 रुपये नीचे आयी है जिससे यह 58,323 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गयी है। दूसरी ओर अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के दाम अपने शीर्ष स्तर से नीचे आये हैं। इसके बाद यहां शुरुआती कारोबार में रुपया 67 पैसे के उछाल के साथ ही 82.14 रुपये प्रति डॉलर तक पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नीचे आकर 1,664 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी गिरावट के साथ ही 19.41 डॉलर प्रति औंस रह गई।

ग्लैंड फार्मा के शेयर में लिस्टिंग के बाद बड़ी गिरावट

नई दिल्ली । ग्लैंड फार्मा के शेयरों में गुरुवार को भारी गिरावट देखने को मिली। कारोबार के दौरान यह करीब 15 फीसदी तक गिरावट के साथ निम्न स्तर पर पहुंच गया। दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 20 फीसदी की गिरावट के साथ 241 करोड रुपए रहा। इस दौरान कंपनी की बिक्री में गिरावट आई जबकि खर्चे बढ़ गए। कंपनी के राजस्व और मार्जिन में भी पिछले साल के मुकाबले गिरावट आई। यही कारण है कि गुरुवार को कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई। यह कंपनी की लिस्टिंग की बाद में सबसे बड़ी गिरावट है। ग्लैंड फार्मा का शेयर कारोबार के दौरान करीब 15 फीसदी की गिरावट के साथ 1891 रुपए पर पहुंच गया। यह इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है। दोपहर को 14.45 फीसदी की गिरावट के साथ 1902.90 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 4,060.00 रुपए है जो इसने इसी साल छह जनवरी को छुआ था।

जेएसडब्ल्यू की अमेरिकी इकाई ने 18.2 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील की अमेरिकी इकाई ने बेटाउन में इस्पात चादर संयंत्र के आधुनिकीकरण के लिए इटली के बैंकिंग संस्थानों से 18.2 करोड़ डॉलर की व्यवस्था की है। समूह की सहयोगी जेएसडब्ल्यू स्टील (यूएसए) अमेरिका में इस्पात की चादर बनाने वाले सबसे बड़े में संयंत्रों में से एक का संचालन करती है। इसकी स्थापित क्षमता प्रति वर्ष 12 लाख टन से अधिक है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि जेएसडब्ल्यू स्टील यूएसए ने इटली के दो बैंकिंग संस्थानों इंटेसा सानपोलो और बैंको बीपीएम के साथ दीर्घकालिक वित्तपोषण के लिए करार किया है। बयान के अनुसार कंपनी ने यह समझौता बेटाउन में इस्पात के चादर संयंत्र के आधुनिकीकरण परियोजना के लिए किया है। कंपनी ने कहा कि 18.2 करोड़ डॉलर का निवेश जुटाया गया है। वहीं आधुनिकीकरण परियोजना की कुल लागत 26 करोड़ डॉलर है। कंपनी शेष वित्तपोषण आंतरिक स्त्रोतों से जुटाएगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही धातु एवं संपत्ति शेयरों में आये उछाल से आयी है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 212.88 अंक करीब 0.36 फीसदी बढ़कर 59,756.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 80.60 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी ऊपर आकर 17,736.95 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस 'दिवाली बलिप्रतिपदा' के अवसर पर बाजार बंद रहा था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील, पावर ग्रिड, सन फार्मा, भारती एयरटेल, टाइटन, एक्सिस बैंक, डॉ रेड्डीज लैब और एनटीपीसी के शेयरों में बढ़त रही। वहीं बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा और नेस्ले के शेयर गिरे हैं। । दूसरी ओर अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग उछाल पर है जबकि जापान का निक्की और चीन को शंघाई कम्पोजिट गिरा है। वहीं यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला कारोबार हुआ। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट 0.13 फीसदी बढ़त के साथ ही 95.79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारतीय बाजारों से निकासी जारी है जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है।

रुपया बढ़त के साथ ही 82.47 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया बढ़त के साथ ही 82.47 प्रति डॉलर पर पहुंच गया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अपने उच्चतम स्तर से नीचे आने के कारण अमेरिकी मुद्रा की तुलना में रुपया 34 पैसे की तेजी के साथ ही 82.47 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.15 पर खुला और कारोबार के दौरान यह 82.14 के उच्चस्तर तथा 82.51 के निचले स्तर तक पहुंचा। वहीं कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 34 पैसे मजबूत होकर 82.47 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में रुपया सात पैसे बढ़कर 82.81 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.36 फीसदी की तेजी के साथ ही 110.09 पर था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.06 फीसदी घटकर 95.63 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था बीती तिमाही में सकरात्मक रहने की संभावना

वाशिंगटन ।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किलें अभी कम नहीं हुई हैं और महंगाई अभी भी 40 साल के उच्चतम स्तर के करीब है। साथ ही बढ़ती ब्याज दरों ने आवास बाजार को भी प्रभो वित` किया है और बढ़ती हुई दरें व्यापक नुकसान भी पंहुचा सकती है। वर्ष 2022 की पहली दो तिमाहियों में सिकुड़ने के बाद अमेरिका की अर्थव्यवस्था के बीती तिमाही में सकरात्मक रहने की संभावना है। डेटा जुटाने वाली एक कंपनी के सर्वेक्षण में अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया है कि मौजूदा वर्ष की तीसरी तिमाही में अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दो प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है। वहीं जनवरी-मार्च की अवधि में अर्थव्यवस्था में 1.6 प्रतिशत और अप्रैल से जून के बीच 0.6 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट आई थी। आर्थिक वृद्धि में लगातार दो तिमाहियों में गिरावट मंदी का एक अनौपचारिक संकेत होता है लेकिन ज्यादातर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अर्थव्यवस्था अब तक मंदी से बची हुई है। हालांकि, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व मुद्रास्फीति से निपटने के लिए ब्याज दरों में लगातार वृद्धि के बीच कई अर्थशास्त्रियों ने चिंता व्यक्त की है कि अगले साल मंदी की आ सकती है।

मोपा में गोवा के दूसरे हवाई अड्डे को वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करने के लिए डीजीसीए की मंजूरी मिली

(एजेंसी)

एविएशन वॉचडॉग डीजीसीए ने गोवा के मोपा में नए हवाई अड्डे के लिए हवाई अड्डा लाइसेंस दिया है, जिससे जल्द ही वहां से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मोपा हवाई अड्डे के लिए लाइसेंस, जिसे जीएमआर समूह द्वारा संचालित किया जाएगा, 26 अक्टूबर को जारी किया गया था। यह गोवा का दूसरा हवाई अड्डा होगा, जहां पहले से ही मोरमुगाओ शहर के डाबोलिम में एक परिचालन हवाई अड्डा है। नया हवाई अड्डा गोवा के उत्तरी भाग में पंजिम से लगभग 35 किलोमीटर दूर होगा। मोपा हवाई अड्डे का निर्माण चार चरणों में किया जा रहा है, जिसकी वार्षिक यात्री क्षमता पहले चरण में 4.4 मिलियन है और दूसरे चरण में यह बढ़कर 5.8 मिलियन हो जाएगी। तीसरे चरण में, क्षमता बढ़कर 9.4 मिलियन यात्री प्रति वर्ष हो जाएगी और एक बार चरण ढ्ढङ्क भी पूरा हो जाने के बाद, कुल क्षमता प्रति वर्ष 13.1 मिलियन यात्रियों की होगी। जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर की सहायक कंपनी जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीएएल) ने नवंबर 2016 में गोवा सरकार के साथ मोपा में ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा परियोजना के विकास और संचालन के लिए एक रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

जीएएल की सहायक जीएमआर गोवा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा इस परियोजना को विकसित कर रहा है, जो डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) के आधार पर आधारित है सितंबर में, ऑपरेटर ने नव-निर्मित रनवे के दोनों दृष्टिकोणों - 10 और 28 - के लिए लैंडिंग परीक्षण पूरा किया। वर्तमान में, केवल 70 उड़ानें डाबोलिम हवाई अड्डे पर उतरती हैं, जो एक नागरिक एन्क्लेव है, जो दैनिक आधार पर है। सुविधा पर सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक किसी भी लैंडिंग की अनुमति नहीं है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने इस साल जुलाई में कहा था कि मोपा हवाई अड्डे के चालू होने के बाद गोवा में उतरने वाली उड़ानों की संख्या 150 हो जाएगी। वर्तमान में, देश में 131 परिचालन हवाईअड्डे हैं।

पटना में 108 के पार पहुंचा पेट्रोल, यूपी में सस्ता

ब्रेंट क्रूड की कीमत 95.83 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान 3 डॉलर प्रति बैरल का बड़ा उछाल दिखा है। इस बीच गुरुवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के खुदरा रेट भी जारी कर दिए हैं ले किन दिल्ले ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के खुदरा कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी दिख रही है तो कुछ में राहत है। यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 6 पैसे सस्ते ता होकर 96.58 रुपए और डीजल 7 पैसे टूटकर 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। दूसरी ओर, बिहार की राजधनी पटना में पेट्रोल के भाव 108 रुपए से भी ऊपर चले गए हैं। यहां पेट्रोल की कीमत88 पैसे बढ़कर 108.12 रुपए प्रति लीटर हो गई है। डीजल भी 82 रुपए बढ़त के साथ 94.86 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। कच्चे तेल में पिछले 24 घंटे में बड़ा उछाल दिखा है। ब्रेंट क्रूड का भाव 95.83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी 3 डॉलर से ऊपर जाकर 88.09 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सैमसंग के कार्यकारी चेयरमैन बने जे योंग

सियोल । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आधिकारिक तौर पर तीसरी पीढ़ी के उत्तराधिकारी ली जे योंग को कंपनी का कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। ली की पदोन्नति आंशिक रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने पिता और कंपनी के पूर्व चेयरमैन ली कुन-ही के निधन के बाद वाइस चेयरमैन के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। हालांकि, ली को कानूनी बाधाओं के कारण 2020 में अपने पिता के निधन के बाद जल्दी से चेयरमैन के रूप में पदोन्नत करने से रोक दिया था। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की तरफ यह घोषणा दरअसल कंपनी के सितंबर तिमाही में 31 प्रतिशत की गिरावट की सूचना के तुरंत बाद आई है। पिछली तीन साल में सालाना आधार पर किसी भी तिमाही में कंपनी का मुनाफा पहली बार घटा है।

चीन में प्रॉपर्टी के दामों में बड़ी गिरावट

- लक्जरी घरों की कीमत बीते दिनों के मुकाबले 40 फीसदी कम हुई

नई दिल्ली ।

चीन में प्रॉपर्टी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। कई शहरों में प्रॉपर्टी की कीमत 30 से 40 फीसदी तक नीचे चली गई है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक चीन के बाजार से लोगों का मोहभंग हो गया है। इसकी वजह से कई धनी चीनी और ताइवानी अपनी संपत्ति कम कीमतों पर बेच रहे हैं। शंघाई में लक्जरी घरों के की कीमत में 40 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। चीन में कई रईस लोग अब देश छोड़कर भी जा रहे हैं। इस वजह से भी वो अपनी प्रॉपर्टी काफी कम कीमत पर बेच रहे हैं। बताया जा रहा है` कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की हाल ही में संपन्न ऐतिहासिक 20वीं राष्ट्रीय कांग्रेस के बाद कई लोगों का चीन के बाजार से मोहभंग हो गया है। इस वजह से भी कई धनी चीनी और ताइवानी अपनी संपत्ति कम कीमतों पर बेच रहे हैं। ताइवान के व्यवसायी अपने रेस्तरां, होटल और अन्य संपत्ति नकद के लिए बेच रहे हैं। बहुत सारे लक्जरी घरों की कीमत बीते दिनों के मुकाबले 40 फीसदी तक नीचे गिर गई है। इन घरों को बेचने वाले ऐसे लोग हैं जो अब देश छोड़कर जाना चाहते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक शंघाई के चेटो पिनेकल में एक बड़ा पेंटहाउस, कैरिना लाउ का पूर्व निवास है। ये पिछले महीने 60 मिलियन युआन करीब 8.37 मिलियन अमेरिकी डॉलर में बिक रहा था लेकिन अब इसके दाम घटकर 35.99 मिलियन युआन हो गए हैं। फाइनेंस स्ट्रीट रोंगयु समुदाय में एक लग्जरी पेंटहाउस जो पिछले महीने 55 मिलियन युआन में बिक रहा था। इसकी कीमत अब 30 मिलियन युआन हो गई है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, शंघाई के अधिकांश अमीर लोग पहले ही चीन छोड़ चुके हैं या अपना पैसा विदेशों में ट्रांसफर कर चुके हैं। रिपोर्ट बताती है कि वुहान, शंघाई, बीजिंग, जिआंगसु और झेजियांग में कई अमीर लोगों ने अपनी संपत्ति बेच दी है।

दुनिया में नंबर अकाउंट के लिए फेमस है स्विस बैंक!

नई दिल्ली ।

दुनिया के रईस स्विस बैंक में अपना अकाउंट जरूर खोलते हैं। ये बैंक अपने नंबर अकाउंट की वजह से फेमस है। असल में यहां खाता खोलने वालों को नाम की जगह नंबर दे दिया जाता है। इससे उनकी पहचान गोपनीय रहती है लेकिन कई और वजह भी हैं जिससे लोग इस बैंक में अपना अकाउंट खोलते हैं। गौरतलब है कि स्विस बैंकों में गोपनीयता बरकरार रखने का इतिहास काफी पुराना है। 17वीं सदी से ही इसकी शुरुआत हो चुकी थी, जब ग्रांड कौंसिल ऑफ जिनेवा ने एक कोड तैयार किया, जिसके तरह अकाउंट होल्डर की जानकारी किसी से भी साझा न करने का नियम बनाया गया। बहुत से लोगों को लगता है कि स्विस बैंक सिर्फ कालाधन जमा करने का जरिया हैं, हालांकि ऐसा नहीं है। स्विस बैंकों में खाताधारक की पहचान गुप्त रखने के पीछे ये मंशा रही कि राजनैतिक अस्थिरता के हालात वाले देशों में लोगों का पैसा सुरक्षित रहे। जैसे कि सूडान, नॉर्थ कोरिया या इराक जैसे देशों में हालात लंबे अरसे से खराब हैं। ऐसे में पैसे लूटे जाने से बचाने के लिए स्विस बैंक अच्छा जरिया साबित होते रहे हैं। हालांकि इसका इस्तेमाल गलत इरादों से भी किया जाता रहा है। स्विटजरलैंड में स्थित किसी भी बैंक में खाता खोलने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए बैंक आपके पहचान संबंधी दस्तावेजों को कॉरस्पोंडेंस के जरिए मंगाता है। इसे आप ई-मेल के जरिए भी भेज सकते हैं। केवल बिना नाम वाला खाता खोलने के लिए ही आपको स्विटजरलैंड जाना जरूरी होता है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक खाता खोलने के लिए मिनिमम बैलेंस 1 लाख डॉलर या 75 लाख रुपए के आसपास होता है। अकाउंट पर 300 डॉलर या तकरीबन 22 हजार रुपए का मेंटेनेंस चार्ज भी लगता है।

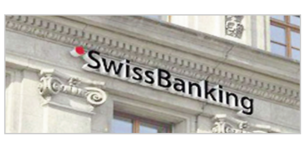

टेक महिंद्रा अपने निवेशकों को डिविडेंड देने की तैयारी में, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में होगा फैसला

मुंबई ।

दिग्गज आईटी कंपनी टेक महिंद्रा अपने निवेशकों को डिविडेंड देने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। वित्तीय साल 2022-23 के लिए अंतरिम लाभांश का भुगतान करने के लिए टेक महिंद्रा के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स अगले सप्ताह मंगलवार, 1 नवंबर 2022 को बैठक होगी। बोर्ड मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे भी जारी करेगा।

टेक महिंद्रा ने मुंबई एक्सचेज को इसकी जानकारी देकर लिखा, हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी का निदेशक मंडल 31 अक्टूबर और 1 नवंबर, 2022 को होने वाली बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अंतरिम लाभांश के भुगतान के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा। इसके अलावा कंपनी ने कहा कि अंतरिम डिविडेंड के लिए 10 नवंबर 2022 को रिकॉर्ड डेट के रूप में निर्धारित किया है। अगर बोर्ड द्वारा अंतरिम लाभांश को अनुमोदित किया है। टेक महिंद्रा ने वित्तीय साल 22 में अपने शेयरधारकों को 900 प्रतिशत लाभांश का भुगतान किया। पिछले 12 महीनों में टेक महिंद्रा लिमिटेड ने 45.00 प्रति शेयर की राशि का इक्विटी लाभांश घोषित किया है। इस साल जून तिमाही में टेक महिंद्रा का कुल मुनाफा 16 फीसदी घटकर 1131 करोड़ रुपए रहा था। लेकिन, सालाना आधार पर आय 24.6 फीसदी बढ़कर 12708 करोड़ रुपये रही थी। सीसी के लिहाज से रेवेन्यू ग्रोथ तिमाही आधार पर 3.5 फीसदी रही थी। टेक महिंद्रा के अलावा अन्य आईटी कंपनियों इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, माइंडट्री और एचसीएल टेक ने इस महीने की शुरुआत में अपने दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित कर दिए हैं जो कि कई मोर्चों पर मिले-जुले रहे हैं।

दूसरी तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 11 फीसदी बढ़कर 6,021 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयरधारकों को 16.50 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया। वहीं वित्तीय साल 2022-23 की दूसरी तिमाही में टीसीएस का प्रॉफिट सालाना आधार पर 8.4 फीसदी बढ़कर 10,431 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयरधारकों को 8 रुपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड की घोषणा भी की।

दूसरी तिमाही में दिग्गज आईटी कंपनियों के संतुलित प्रदर्शन के बाद ब्रोकरेज हाउस ने इंफोसिस और टीसीएस सहित कई कंपनियों के शेयर्स पर खरीदी की राय दी है।

रॉयल एनफील्ड 450 सीसी और 650 सीसी सेगमेंट में भी अपने मॉडल्स लांच करेगी

नई दिल्ली ।

रॉयल एनफील्ड भारत में बेहद पॉपुलर ब्रांड है। खासतौर पर 350 सीसी सेगमेंट में इंडिया का सबसे पॉपुलर निर्माता ब्रांड है। कंपनी भारत में अपनी लोकप्रियता को देखकर कई नए मॉडल्स लांच करने की तैयारी कर रही है। कंपनी भारत में 350 सीसी सेगमेंट में नई बुलेट भी लांच करेगी जो कि भारत में पहले से काफी पॉपुलर है। वहीं अब ग्राहकों को बाइक के नए मॉडल का इंतजार है। इसके अलावा कंपनी ज्यादा प्रीमियम सेगमेंट यानी 450 सीसी और 650 सीसी सेगमेंट में भी अपने मॉडल्स लांच करेगी। कंपनी नई 650 सीसी बाइक की टेस्टिंग कर रही है। इसमें एक 650 सीसी क्रूजर, एसजी 650 कॉन्सेप्ट, एक 650 सीसी स्क्रैम्बलर, एक अपडेटेड कॉन्टिनेंटल जीटी 650 और एक सेमी-फेयर्ड कॉन्टिनेंटल जीटी 650। रॉयल एनफील्ड 650 सीसी क्रूजर जैसी बाइक शामिल हैं। यह मीटियर 350 मिडिलवेट एंट्री-लेवल क्रूजर की सफलता पर आधारित है। इसमें इंटरसेप्टर 650 और कॉन्टिनेंटल जीटी 650 के साथ कई समानताएं होंगी क्योंकि प्लेटफॉर्म, इंजन, ब्रेक और सस्पेंशन जैसे फीचर्स शेयर किए जाएंगे। सुपर मीटियर 650 की तरह, रॉयल एनफील्ड को पहले ही शॉटगन 650 कॉम्सेप्ट की भी टेस्टिंग करते देखा गया है। दोनों मोटरसाइकिलों का ग्लोबल डेब्यू अगले महीने इटली के मिलान में ईकमा शो में हो सकता है। हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले दिनों में रॉयल एनफील्ड अपने विश्व प्रीमियर से पहले इन बाइक के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर करेगी। दोनों बाइक में सर्कुलर-शेप्ड एलईडी हेडलैंप, एलईडी टेल लैंप और फर्स्ट-फॉर-आरई अपसाइड-डाउन फ्रंट फोर्क्स जैसे एलिमेंट्स होगा, जबकि रियर ट्विन-साइड शॉक एब्जॉर्बर से लैस होगा। प्रदर्शन के लिए, मौजूदा सिद्ध 648 सीसी समानांतर ट्विन-सिलेंडर इंजन का उपयोग किया जाएगा।

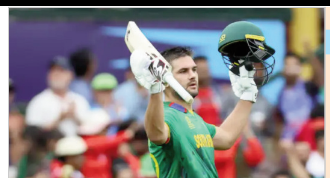

रूसो के शतक से दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 104 रनों से हराया

सिडनी । राइली रूसो के शानदार शतक 109 के बाद एनरिक नॉर्खिया और तबरेज शम्सी की घातक गेंदबाजी की सहायता से दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में 104 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 205 रन बनाये इस प्रकार बांग्लादेश को जीत के लिए 206 रनों का लक्ष्य मिला। जिसका पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 16.3 ओवर में 101 रनों पर ही सिमट गयी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से आनरिक नॉर्खिया ने 10 रन देकर चार विकेट जबकि शम्सी ने 20 रन देकर तीन विकेट लिए। कागिसो रबाडा और केशव महाराज को एक-एक विकेट लिया। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम के बल्लेबाज रूसो ने डी कॉक 63 के साथ मिलकर 168 रन की साझेदारी की जिसकी बदौलत दक्षिण अफ्रीका की टीम विश्व कप में सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। इन दोनो ने ही बांग्लादेशी बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में मिली बड़ी जीत से दक्षिण अफ्रीका का रन रेट बेहतर होगा।

जिम्बाब्वे ने किया उलटफेर, आखिरी पलों में पाकिस्तान को मिली शर्मनाक हार

पर्थ ।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के सुपर 12 ग्रुप दो मुकाबले में वीरवार को जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान को एक रन से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। आखिरी ओवर में पाकिस्तान को जीत के लिए 11 रन चाहिए थे, लेकिन उनके बल्लेबाज लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहे। रोमांचक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 130 रन बनाये, जबकि पाकिस्तान इसके जवाब में आठ विकेट के नुकसान पर 129 रन ही बना सकी। पाकिस्तान ने मोहम्मद वसीम जूनियर (24/4) और शादाब खान (23/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे को छोटे स्कोर पर रोक दिया था, हालांकि बल्लेबाजों के प्रदर्शन ने उन्हें निराश किया। पाकिस्तान के लिए शान मसूद ने 38 गेंदों पर 44 रन बनाए, लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। बाबर आजम की टीम को आखिरी ओवर में 11 रन की दरकार थी और मोहम्मद नवाज विकेट पर मौजूद थे। नवाज ने पहली गेंद पर तीन रन लिए लेकिन जब पाकिस्तान को दो गेंदों में तीन रन चाहिये थे, तब नवाज आउट हो गये। शाहीन शाह अफरीदी ने आखिरी गेंद पर दो रन लेकर मैच को टाई करवाना चाहा लेकिन रेजिस चकाब्वा ने उन्हें रनआउट कर दिया और जिम्बाब्वे ने यह मैच मात्र एक रन से जीत लिया। इससे पहले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद वसीम (24 रन देकर चार विकेट) ने टी20 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे उन्होंने और स्पिनर शादाब खान ने जिम्बाब्वे को आठ विकेट पर 130 रन ही बनाने दिये। वसीम सबसे सफल गेंदबाज रहे, उन्होंने और शादाब खान (23 रन लेकर तीन विकेट) मिलकर सात खिलाड़ियों को आउट किया। इससे अच्छी शुरूआत करने वाली जिम्बाब्वे की लय बिगड़ गई। हैरिस रऊफ ने भी टी20 गेंदबाजी में

अपना सर्वश्रेष्ठ किफायती प्रदर्शन किया, उन्होंने चार ओवर में एक मेडन डालकर 12 रन दिये और एक विकेट झटका। जिम्बाब्वे ने कप्तान क्रेग इरविन (19 रन) और वेस्ले माधेवेरे (17 रन) ने पहले विकेट के लिये 42 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की। इस भागीदारी का अंत रऊफ ने किया जब उनकी तेज रफ्तार वाली गेंद पर इरविन शार्ट फाइन लेग पर मोहम्मद वसीम को कैच दे बैठे। दो गेंद बाद माधेवेरे भी पवेलियन पहुंच गये जिन्हें वसीम ने पगबाधा आउट किया जिसका इस बल्लेबाज ने रिव्यू लिया जो असफल रहा। मिल्टन शुम्बा (08) भी अपनी टीम की मदद नहीं कर सके और शादाब को उनकी ही गेंद पर कैच दे बैठे। सीन विलियम्स (31 रन) और सिकंदर रजा (09) ने चौथे विकेट के लिये 31 रन जोड़े थे कि शादाब ने 14वें ओवर में दोहरे झटके दे दिये। इससे जिम्बाब्वे की टीम अच्छी शुरूआत के बाद लय खो बैठी। शादाब ने पहले विलिम्यस और फिर रेजिस चाकाब्वा को आउट किया। अगले ओवर में वसीम ने भी जिम्बाब्वे को दोहरे झटके दिये। रजा फिर क्वालीफायर वाली अपनी फॉर्म दोहराने में असफल रहे और फिर ल्यूक जोंगवे भी अगली गेंद पर बोल्ड हो गये।

माउंट चो ओयू पीक फतह करने वाली दुनिया की पहली महिला बनी ईशानी

शिमला ।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की ईशानी सिंह जंबाल माउंट चो ओयू पीक को फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। यह चोटी नेपाल और चीन के मध्य है। दक्षिण की ओर से दुनिया की छठी सबसे ऊंची और कठिन चोटी पर 7200 मीटर की ऊंचाई तक ईशानी पहुंच गई। ईशानी ने कहा कि वह खुद को चुनौती देने और देश के लिए अपने शिखर पर चढ़ने में सक्षम थी। उन्होंने अपने माता-पिता, प्रशिक्षकों और विशेष रूप से अपने प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया है, जिसके कारण यह अभियान संभव हो सका। ईशानी ने कहा कि उसका उद्देश्य पर्वतारोहण को एक साहसिक कार्य के रूप में बढ़ावा देना है। उन्होंने सरकार से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अभियानों के लिए पर्वतारोहियों को आर्थिक रूप से समर्थन देने का अनुरोध किया है। कुल्लू जिले की पाहनाला की रहने बाली ईशानी जंबाल आज दुनिया के लिए प्रेरणा की स्रोत बन गई हैं। इस पीक को फतह कर ईशानी ने प्रदेश और देश का नाम

दुनिया भर में ऊंचा किया है। उनके पिता शक्ति सिंह और माता नलिनी जंबाल ने कहा कि उन्हें अपनी पुत्री पर गर्व है और उन्होंने सरकार से अपील की है कि इस तरह के साहसिक बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे पहले ईशानी ने लेह-लद्दाख की पीक कुन पर भी फतह हासिल की है। ईशानी ने खास तौर पर शिव नादर फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया है जिसने उन्हें इस कार्य के लिए स्पॉन्सरशिप दी। बहुत ही कठिन स्थिति थी और इस बार वायु की दिशा भी ठीक नहीं थी, बावजूद इसके 7200 मीटर तक चढ़ने में कामयाबी मिली यदि परिस्थितियां ठीक होती तो 8000 मीटर तक कामयाबी मिल जानी थी।

फीडे महिला कैंडिडैट क्वाटर फाइनल - कोनेरु हम्पी की बेहतरीन जीत ,देश को दिया दिवाली का तोहफा

मोंटी कार्लो, मोनोको (निकलेश जैन) दिवाली के अगले दिन शुरू हुई फीडे महिला कैंडिडैट टूर्नामेंट के पूल ए में भारत की शीर्ष खिलाड़ी ग्रांड मास्टर

कोनेरु हम्पी नें उक्रेन की बेहतरीन जीत से एना मुजयचूक को पराजित करते हुए शुरुआत की है । क्वाटर फाइनल में चार क्लासिकल मुकाबलों के आधार पर विजेता खिलाड़ी को आगे बढ़ना है । पहले राउंड में कोनेरु हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से उक्रेन की एना मुजयचूक के खिलाफ क्यूजीए ओपनिंग में राजा पर जोरदार आक्रमण करते हुए सिर्फ 24 चालों में जीत दर्ज करते हुए 1-0 की बढ़त कायम कर ली है और अब बचे हुए तीन मुकाबलों में अगर हम्पी 1.5 अंक बना लेती है तो वह सेमी फाइनल में पहुँच जाएंगी । दूसरे क्वाटर फाइनल में चीन की ग्रांड मास्टर लेई टिंगजे नें उक्रेन की ग्रांड मास्टर मारिया मुजयचुक के खिलाफ जीत से शुरुआत की है । लेई नें सफ़ेद मोहरो से स्लाव ओपनिंग में 53 चालों तक चले एंडगेम में मारिया को हराया । और अब जब हम्पी और लेई नें सेमी फाइनल के तरफ कदम बढ़ा दिये है देखना है मुजयचूक बहने कैसे वापसी करती है

PKL 9 : डिफेंस के दम पर बंगाल वॉरियर्स ने दबंग दिल्ली केसी को लगातार दूसरी हार को मजबूर किया

बेंगलुरू।

अपने डिफेंस (18 अंक) के अलावा मनिंदर सिंह (9 अंक) के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर बंगाल वॉरियर्स ने कांतीरवा इंडोर स्टेडियम में बुधवार को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 41वें मैच में मौजूदा चैंपियन दबंग दिल्ली केसी को 35-30 से हराकर पांचवें पायदान हासिल कर लिया है। दोनों टीमों का यह सातवां मैच था। दिल्ली को पांच जीत और दो हार मिली है जबकि बंगाल को चार जीत और तीन हार मिली है। बंगाल को लगातार दो हार के बाद जीत मिली जबकि दिल्ली को लगातार दूसरी हार मिली। दिल्ली के लिए नवीन एक्सप्रेस ने सुपर-10 लगाया जबकि बंगाल के लिए वैभव गरजे (6) और गिरीश एर्नाक (5) ने हाई-5 पूरा किया। साथ ही अजिंक्य कापरे ने एक सुपर रेड के साथ पांच अंक हासिल किए। वार आफ स्टार्स मुकाबले में मनिंदर ने सुपर रेड के साथ धमाकेदार शुरुआत करते हुए बंगाल को 3-1 से आगे कर दिया। दिल्ली ने हालांकि वापसी करते हुए स्कोर 4-4 कर दिया। फिर नवीन ने एक बेहतरीन डुबकी पर दो अंक ले दिल्ली को 6-5 से आगे कर दिया। आशू दिल्ली के लिए पहली डू ओर डाई रेड पर अंक लिया। फिर मनिंदर ने बंगाल के लिए यही किया। स्कोर 7-7 था। नवीन ने अगली रेड पर अंक लिया और फिर आशू ने मनिंदर को लपक लिया। नवीन की अगली रेड पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। जाधव को लपक डिफेंस ने नवीन को रिवाइव करा लिया। सुपर की स्थिति में बंगाल के डिफेंस ने नवीन का शिकार कर स्कोर 11-10 कर दिया। डिफेंस ने दीपक को लपक एक बार फिर नवीन को रिवाइव कराया। सुपर टैकल की स्थिति में डू ओर

डाई रेड पर मंजीत को लपक बंगाल के डिफेंस ने मनिंदर को रिवाइव कराया और स्कोर भी 12-12 कर दिया। इसके बाद बंगाल ने लगातार दो अंको के साथ लीड 2 की कर ली। बंगाल के डिफेंस ने पहले हाफ की अंतिम रेड पर मंजीत का शिकार कर 15-13 की लीड ले ली। ब्रेक के बाद नवीन ने डुबकी पर दो अंक लिए। स्कोर 16-16 हो गया था। फिर अजिंक्य ने सुपर रेड के साथ बंगाल को 20-17 से आगे कर दिया। फिर बंगाल ने दिल्ली को ऑल आउट कर 23-18 की लीड ले ली। इसी बीच बोनस के साथ नवीन ने सीजन का सातवां सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर हालांकि नवीन बाहर हुए। विशाल ने हालांकि जाधव को लपक नवीन को रिवाइव करा लिया लेकिन आते ही वह लपक लिए गए।

संक्षिप्त समाचार

खिलाड़ियों के खाने में आ रही समस्या को हल कर लेगा बीसीसीआई : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि सिडनी में भारतीय टीम को दिये भजन को लेकर जो शिकायतें आयी हैं। उसे बीसीसीआई हल कर लेगा। गांगुली के अनुसार खिलाड़ियों के भोजन वापस लौटा दिये जाने के मामले को अधिक तूल देने की जरुरत नहीं है। बुधवार को भारतीय क्रिकेट टीम के कुछ सदस्यों द्वारा सिडनी में अभ्यास सत्र के बाद टी20 विश्व कप आयोजकों द्वारा परोसा गया भोजन करने से इनकार के मामले को ज्यादा तूल नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ियों को अभ्यास सत्र के बाद ठंडे सैंडविच और फल परोसे गए थे जिन्हें खाने से खिलाड़ियों ने इंकार करते हुए होटल लौटकर भोजन किया। गांगुली ने कहा, ''मुझे भरोसा है कि बीसीसीआई इस मामले को हल कर लेगी।'' गांगुली ने राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं सौरव घोषाल और अचिंता शेउली सेत सहित बंगाल के अन्य खिलाड़ियों को सम्मानित किये जाने के समय ये बात कही। उन्होंने कहा, ''यह पुरस्कार खिलाड़ियों की साल भर की मेहनत का ही परिणाम है। मुझे याद है कि जब मैं युवा था तब सीएसजेसी सालाना पुरस्कारों का इंतजार करता था।''

पीसीबी अगले साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के साथ घरेलू टी20 सीरीज खेलेगा

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह जनवरी 2023 की जगह एक साल बाद 2024 में वेस्टइंडीज के साथ घरेलू टी20 सीरीज खेलेगा। पीसीबी ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए उसने ये बदलाव किये हैं। पीसीबी ने कहा कि उसने ये बदलाव व्यस्त कार्यक्रम को को देखते हुए क्रिकेट वेस्टइंडीज से बात करने के बाद ही किये हैं। बोर्ड तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला को स्थगित करने पर सहमत हैं। पहले टी20 सीरीज का आयोजन जनवरी 2023 में होना था पर अब इसे 2024 के शुरुआती तीन महीनों में आयोजित किया जाएगा। पीसीबी के एक प्रवक्ता ने कहा, ''यह फैसला इसलिए भी किया गया क्योंकि 2024 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का आयोजन होना है, जिसकी मेजबानी जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका मिलकर कर रहे हैं। वहीं इससे पहले छोटे प्रारूप की श्रृंखला खेलने से दोनों ही टीमों को टूर्नामेंट की तैयारी में सहायत मिलेगी।

PKL 9 : गुमान और इकरामी की बदौलत यू मुंबा ने गुजरात जाएंट्स को 8 अंक से हराया

बेंगलुरू।

गुमान सिंह (12) और हैदरअली इकरामी (10) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत यू मुंबा ने कांतीरवा इंडोर स्टेडियम में बुधवार को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 40वें मुकाबले में गुजरात जाएंट्स को 37-29 से हरा दिया।दोनों टीमों का यह सातवां मैच था। गुजरात को इससे पहले तीन में जीत, दो में हार मिली थी जबकि उसका एक मैच टाई भी रहा था। दूसरी ओर, मुंबा को तीन मैचों में जीत और तीन में हार मिली है। चौथी जीत के साथ मुंबा पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। गुजरात के लिए एचएस राकेश ने हमेशा की तरह अच्छा प्रदर्शन करते हुए 12 अंक जुटाए। प्रतीक दहिया ने भी पांच अंकों के साथ प्रभावित किया।चौथे मिनट में स्कोर 4-3 से गुजरात के पक्ष में था लेकिन अफसोस की बात यह थी कि उसके कप्तान चंद्रन रंजीत को पिछली रेड के दौरान चोट लगी और उन्हें स्ट्रेचर पर मैट से बाहर ले जाया गया। मुंबा ने जल्द ही 7-6 की लीड ले ली। अपनी अगली रेड पर राकेश ने न सिर्फ स्कोर बराबर किया बल्कि मुंबा को सुपर टैकल की स्थिति में भी धकेल दिया। राकेश पहली रेड पर तो एक अंक लेकर लौटे लेकिन दूसरी रेड पर हैदर अली और मोहित ने सुपर टैकल को अंजाम दे अपनी टीम को 10-8 से आगे कर दिया। हैदर अली को डू ओर डाई रेड पर टैकल कर गुजरात के डिफेंस ने राकेश को रिवाइव कराया लेकिन अपनी डू ओर डाई रेड पर राकेश ने मुंबा के डिफेंस को दो अंक दे दिए। फिर गुजरात ने मुंबा को ऑल

आउट कर स्कोर 14-14 कर दिया। ऑल आउट के बाद दोनों टीमों को दो-दो अंक मिले। पहला हाफ 16-16 की बराबरी पर समाप्त हुआ। ब्रेक के बाद गुमान ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ मुंबा को 18-16 से आगे कर दिया। इकरामी ने इस्केप पर अंक लेकर आए और गुजरात को सुपर टैकल की स्थिति में धकेला।प्रतीक ने हालांकि मोहित को टो टच पर बाहर कर इस स्थिति को टाल दिया। प्रतीक ने फिर अगली रेड पर गुमान का शिकार किया। इकरानी हालांकि अगली रेड पर लपक लिए गए। सुरेंदर ने फिर अगली रेड पर प्रतीक को लपक स्कोर 21-21 कर दिया। फिर सुरेंदर ने जय भगवान के साथ राकेश को लपक सुपर टैकल के 2 अंक लिए। मुंबा को 25-24 की लीड मिल चुकी थी।

अब महिला क्रिकेटरों को भी पुरूष क्रिकेटरों के बराबर मैच फीस मिलेगी : जय शाह

मिताली और शांता रंगास्वामी ने फैसले का स्वागत किया

मुम्बई । भारत में अब महिला क्रिकेटरों को भी पुरुष क्रिकेटरों के समान ही मैच फीस मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि समानता को बढावा देने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके तहत अब केंद्रीय अनुबंधित महिला क्रिकेटरों को भी पुरूष क्रिकेटरों के समान ही मैच फीस दी जाएगी। । बीसीसीआई सचिव जय शाह ने ट्वीट किया ,'' मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बीसीसीआई किसी भी प्रकार का भेदभाव दूर करने की दिशा में पहला कदम उठा रहा है। हम अनुबंधित महिलाओं के लिये भी समान मैच फीस की नीति लागू कर रहे हैं।'' उन्होंने साथ ही लिखा ,'' भारतीय क्रिकेट में लैंगिक समानता के नये युग में हम महिला और पुरूष क्रिकेटरों को समान मैच फीस देंगे।'' इस फैसले के बाद अब बीसीसीआई की ओर से महिला क्रिकेटरों को भी पुरुष क्रिकेटरों की तरह ही टेस्ट में 15 लाख रूपये, एकदिवसीय में छह लाख रूपये और टी20 में तीन लाख रूपये की मैच फीस दी जाएगी। शाह ने लिखा ,'' समान फीस देना महिला क्रिकेटरों के प्रति मेरी प्रतिबद्धता थी। मैं इसके लिए शीर्ष परिषद से मिले समर्थन के लिये धन्यवाद देता हूं।'' अब बीसीसीसी समान मैच फीच देने वाला दूसरा बोर्ड बना गया है। न्यूजीलैंड ने सबसे पहले समान मैच फीस का नियम लागू किया था। क्रिकेट जगत ने भी इस कदम का स्वागत किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा ,'' यह ऐतिहासिक कदम है। महिला क्रिकेट के लिये यह नया सवेरा है। समान मैच फीस और महिला आईपीएल महिला क्रिकेट को वहां तक ले जाने की दिशा में उठाये गए सही कदम हैं जहां पुरूष क्रिकेट आज है।'' उन्होंने कहा ,'' महिला क्रिकेट समुदाय का हिस्सा होने के कारण मैं बीसीसीआई और सचिव जय शाह को इसके लिये धन्यवाद देती हूं। हम 2017 से ही महिला क्रिकेट की लोकप्रियता और विकास देखते आ रहे हैं। यह सही दिशा में उठाया गया कदम है ।'' वहीं शीर्ष परिषद की निवर्तमान सदस्य और पूर्व क्रिकेटर रही शांता रंगास्वामी ने कहा ,'' यह क्रांतिकारी फैसला है । इससे साबित होता है कि भारत में महिलाओं को बराबरी की नजर से देखा जाता है और कोई पक्षपात नहीं है।

बोपन्ना और मिडेलकूप एर्स्टे बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में

वियना : भारत के रोहन बोपन्ना और नीदरलैंड के मेटवे मिडेलकूप ने अर्जेंटीना के पेड्रो कोचिन और डिएगो श्वार्तजमैन को सीधे सेटों में हराकर एर्स्टे बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। बोपन्ना और मिडेलकूप ने 6 . 1, 6 . 3 से जीत दर्ज की। अब उनका सामना आंद्रेस मोल्टेनी और सैंटियागो गोंजालेस से होगा जिन्होंने वेसले कूलहोफ और नील स्कूपस्की को 7 . 6, 7 . 5 से हराया ।

टीम इंडिया ने टी20 विश्वकप में नीदरलैंड को 56 रनों से हराया

रोहित , विराट और सूर्याकुमार ने लगाये शानदार अर्धशतक

सिडनी ।

कप्तान रोहित शर्मा , विराट कोहली और सूर्याकुमार यादव की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को टी20 विश्व कप क्रिकेट 2022 के ग्रुप 2 के मुकाबले में 56 रनों से जीत दिला दी। इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम ने रोहित , विराट और सूर्यकुमार के अर्धशतकों की सहायता से निधारित 20 ओवरों में दो विकेट पर 179 रन बनाये। इसके बाद मिले 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की टीम 20 ओवरों में नौ विकेट पर 123 रन ही बना पायी। इस प्रकार डच टीम को 56 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में मिली जीत के साथ ही भारतीय टीम ग्रुप 2 में अपने दोनो मुकाबले जीतकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। इससे भारतीय टीम के अब 4 अंक हो गये है। वहीं 3 अंक लेकर दक्षिण अफ्रीका की टीम दूसरे नंबर पर है। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी शुरु की पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल केवल 9 रनों पर ही आउट हो गये। राहुल के आउट होने के बाद रोहित 53 , विराट नाबाद 62 और सूर्यकुमार यादव नाबाद 51 ने पारी को आगे बढ़ाया। विराट और रोहित के बीच अच्छी साझेदारी हुई। रोहित अर्धशतक जमाने के बाद आउट हुए। इसके बाद विराट और सूर्यकुमार ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम के स्कोर को 179 रन तक पहुंचाया। कप्तान रोहित ने 39 गेंद में 53 रन बनाकर भारतीय पारी को आगे बढ़ाया जबकि विराट ने 44 गेंद में नाबाद 62 रन बनाये। इसके अलावा सूर्याकुमार भी 51 रन बनाकर नाबाद रहे। कोहली ने दूसरे विकेट के लिये रोहित के साथ 73 और तीसरे विकेट के लिए सूर्यकुमार के साथ 95 रन जोड़े। दस ओवर के बाद भारत का स्कोर एक विकेट पर 67 रन था जिसके बाद सूर्यकुमार ने तेजी से बल्लेबाजी कर रन रेट बढ़ा दिया। अगले दस ओवर में भारत ने 112 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड का पहला विकेट भुवनेश्वर कुमार ने लिया। उन्होंने विक्रमजीत सिंह को शुरुआत में ही पेवेलियन भेज दिया। तब नीदरलैंड का स्कोर 11 था। उसके बाद नीदरलैंड के विकेट निरंतर गिरते गए। भारतीय टीम की ओर से स्पिनरों अक्षर पटेल और आर अश्विन ने शानदार गेंदबाजी की। अक्षर ने 4 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए जबकि अश्विन ने भी 4 ओवर में 21 रन देकर इतने ही विकेट लिए। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 3 ओवर में 9 रन देकर 2 खिलाड़ियों को आउट किया जबकि अर्शदीप ने चार ओवर में 37 रन देकर दो विकेट लिए।

दोहा में विश्व कप फुटबॉल ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए लोग।

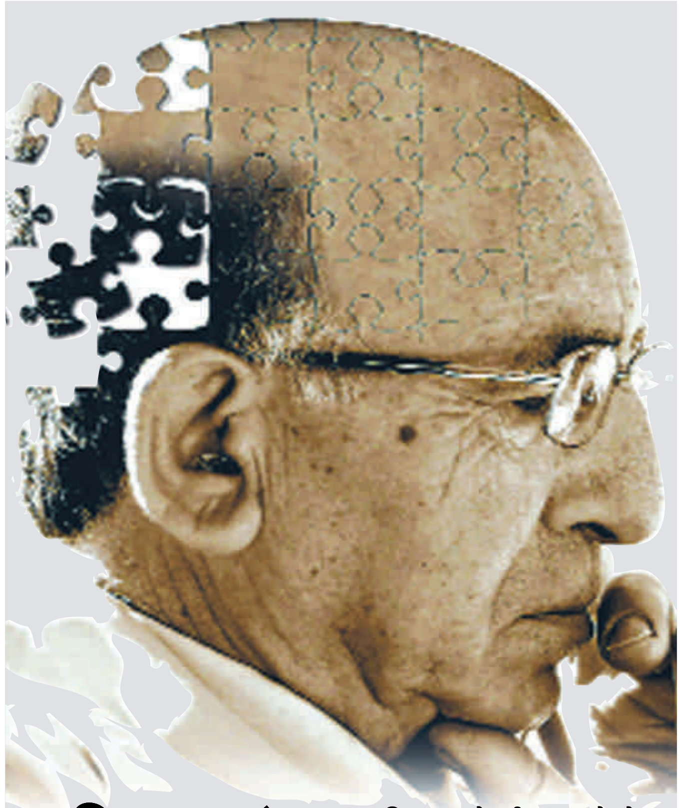

मस्तिष्क में प्रोटीन के गुच्छे बनने से घटती है याददाश्त

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग अल्जाइमर और अन्य तरह की डिमेंशिया से प्रभावित हैं लेकिन दुनिया में इसका प्रभावी इलाज के संबंध में प्रगति धीमी है। वैज्ञानिकों ने बताया कि मरीज के मस्तिष्क में अल्जाइमर से संबंधित प्रोटीन गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं।

साइंस एडवांसेस में प्रकाशित जॉर्ज मिसल और उनके सहकर्मियों के शोध में अल्जाइमर रोगियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इस तरह से अनुसंधानकर्ता मस्तिष्क में अल्जाइमर बीमारी के बढ़ने को रोकने की प्रक्रिया के संबंध में बेहतर समझ बनाने में सक्षम हुए।

गुच्छों के दोगुना होने में पांच साल का समय लगा

अध्ययन से पता चला कि गुच्छों के दोगुना होने में करीब पांच साल का समय लगा। अध्ययन में बताया गया कि कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए देशों के बीच यात्रा रोकना बेहद प्रभावी कदम नहीं हो सकता है जब मूल देश में पहले से ही उल्लेखनीय रूप से संक्रमित लोगों की मौजूदगी पहले से ही हो। इसी तरह से मस्तिष्क क्षेत्रों के बीच गुच्छों के प्रसार को रोकना अल्जाइमर के एक बार शुरू हो जाने के बाद इसे धीमा करने में नाकाफी हो सकता है।

घीरे-धीरे बढ़ती जाती है गुच्छों की संख्या

अल्जाइमर की बीमारी और तंत्रिका तंत्र से संबंधित अन्य बीमारियों में प्रोटीन, वे सूक्ष्म गुच्छों में एकसाथ चिपकने लगते हैं। मरीज के मस्तिष्क में ये गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं। जैसे-जैसे इन गुच्छों की संख्या बढ़ती जाती है, बीमारी बढ़ती जाती है और हल्के लक्षण सामने आने के वर्षों बाद मौत तक हो जाती है। अब तक विस्तार से वैज्ञानिकों के हाथ यह जानकारी नहीं लग पाई है कि आखिर ये गुच्छे बन कैसे जाते हैं और इन्हें कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।

रोजाना लौंग चबाने से ये प्रॉब्लम्स हो जाएंगी दूर

मसाले खाने को स्वादिष्ट बनाने के ही नहीं बल्कि सेहत से जुड़ीं कई परेशानियों को भी ठीक करते हैं। जैसे, लौंग का इस्तेमाल खाने के साथ चाय को स्वादिष्ट बनाने में भी किया जाता है। लौंग के कई फायदे हैं।

दांत दर्द में राहत

लौंग खाने से दांत का दर्द ठीक होता है। लौंग में दर्द को शांत करने वाले गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आपके दांत में दर्द हो तो लौंग को अपने दांत के बीच में दबाकर रखें।

इंफेक्शन को दूर करता है

लौंग में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं। जिसका मतलब है कि यह बैक्टीरिया या अन्य सूक्ष्मजीवों से होने वाले संक्रमण से बचाव प्रदान कर सकता है। स्किन पर कहीं इंफेक्शन होने पर गुस जगह पर लौंग का पेस्ट लगाने की सलाह दी जाती है।

एसिडिटी में राहत

सुबह खाली पेट लौंग के सेवन करने से पाचन संबंधी समस्या दूर हो जाती है। लौंग पाचन एंजाइम के स्राव को बढ़ाते हैं, जो डाइजेशन प्रॉब्लम्स को रोकने या ठीक करने में कारगर है।

पिंपल्स को ठीक करने में कारगर

आपको अगर ऑयली स्किन की वजह से चेहरे पर पिंपल्स हो जाते हैं, तो आपको लौंग का पेस्ट एलोवेरा जेल में डालकर पिंपल्स पे लगाना चाहिए। इससे पिंपल्स ठीक हो जाते हैं।

मुंह की बदबू को दूर करें

आपके मुंह से अगर सुबह उठने पर बदबू आती है या मसूड़ों में दर्द रहता है, तो आप रोजाना एक लौंग को अपने मुंह में दबा लें, इससे धीरे-धीरे मुंह से बदबू आनी बन्द हो जाएगी।

पेट का अल्सर

पेट के अल्सर के इलाज में लौंग काफी मदद कर सकता है। यह अल्सर आमतौर पर पेट की सेफ्टी लेयर के कम हो जाने के कारण हो जाते हैं, जिसमें लौंग खाने से फायदा होता है।

सुपरफूड है अंडा
कई बीमारियों से बचाता है

अंडा एक ऐसा सुपरफूड है, जिसमें प्रोटीन, कैल्शियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड विटामिन ए और बी की भरपूर मात्रा होती है। इसका रोजाना सेवन शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। वहीं हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार रोजाना 1 अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कम होता है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम करता है अंडा

इस स्टडी की रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई दूसरे वैज्ञानिक इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि डायबिटीज में अंडा खाने को लेकर शोधकर्ताओं की राय अलग-अलग है। जहां कुछ वैज्ञानिक इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं वहीं अन्य शोधकर्ताओं के हिसाब से डायबिटीज के मरीजों को अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए।

हफ्ते में कितने अंडे खाना है सुरक्षित?

इस नई स्टडी के अनुसार, हफ्ते में 3 अंडे खाना बिल्कुल सुरक्षित है। अगर आपको डायबिटीज है तो अंडे को उबालकर ही खाएं।

फायदेमंद है अंडे का सेवन

जो पुरुष रोजाना अंडे का सेवन करते हैं उनके खून में लिपिड की मात्रा थोड़ी ही पाई जाती है, जिससे इस बीमारी का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अंडा सेहत को कई तरीके से फायदा पहुंचाता है। फिलहाल अंडा खाने या ना खाना अभी तक शोधकर्ताओं के लिए पहेली ही बना हुआ है। हालांकि इस नई स्टडी के नतीजों में दावा किया है कि रोजाना एक अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कुछ हद तक कम हो जाता है।

कैसे और कब खाना चाहिए अंडा

रोजाना 2 उबले हुए अंडे खाने से शरीर कई बीमारियों से बचाया जा सकता है। अंडा को ब्रेकफास्ट के रूप में खाने से शरीर को सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। जिम जाने वाले लोगों को कच्चा अंडा दूध में मिलाकर खाना चाहिए। इसके अलावा कच्चे अंडे की जर्दी (एग योक) का सेवन भी आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाता है।

व्हाइट या ब्राउन कौन है बेस्ट?

व्हाइट और ब्राउन दोनों ही अंडों पर काफी बार शोध किया जा चुका है, जिसमें इन दोनों में कोई खास अंतर पता नहीं चला। दोनों के फायदे, क्वॉलिटी, आकार सभी कुछ एक जैसा है। यहां तक दोनों में पोषण भी एक जैसा ही होता है लेकिन ब्राउन अंडे में व्हाइट अंडे से थोड़ा ज्यादा ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

रोजाना अंडा खाने के अन्य फायदे

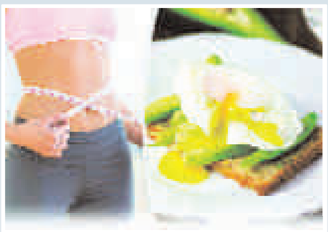

मजबूत इम्यून सिस्टम
रोजाना ब्रेकफास्ट में एक अंडा खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत है। इससे आप सर्दी-जुकाम जैसे वायरल इंफेक्शन से बचे रहते हैं।

वजन कंट्रोल
अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे दिनभर पेट भरा रहता है, जिससे आप ओवरइटिंग से बच जाते हैं और आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

आंखों व दिमाग के लिए फायदेमंद
इसमें कॉलिन और कैरोटिनायड्स नाम का पोषक तत्व होता है, जो आंखे व दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद है।

स्वस्थ दिल
इसका सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप हार्ट अट्रैक जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं।

ब्रैस्ट कैंसर से बचाव
अंडे में पाया जाने वाला फॉलिक एसिड और विटामिन बी12 ब्रैस्ट कैंसर से बचाव करता है। अगर आप भी ब्रैस्ट कैंसर से बचना चाहते हैं तो रोज इसका सेवन करें।

छोटी सी राई में कितनी खूबियां

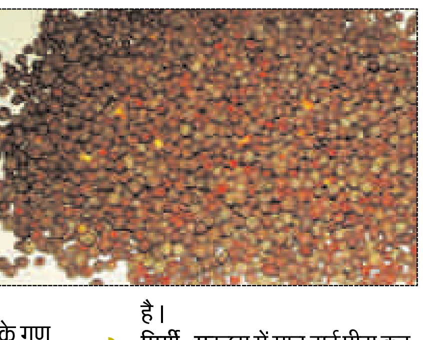

- इसकी गिनती सरसों की जाति में होती है। इसका दाना छोटा व काला होता है। राई का प्रमुख गुण पाचक होता है।
- पेट के कीड़े इसका पानी पीने से मर जाते है।
- हैजे में राई को पीस कर पेट पर लेप करने से उदरशूल व मरोड़ में आराम मिलता है।
- इसकी पुल्टिस बना कर दर्द वाली जगह पर सेंक किया जाए तो तुरंत राहत मिलती है। राई के लेप से सूजन कम होती है।
- गर्म पानी में राई डालने से राई फूल जाती है। और उसके गुण पानी में पहुंच जाते हैं। इस पानी को गुनगुना सहने योग्य कर किसी टब में कमर तक भर कर बैठा जाए तो सभी प्रकार के यौन रोग प्रदर, प्रमेह आदि में बेहतर सुधार आता है।
- इसे पीस कर शहद में मिलाकर सूंघने से जुकाम में आराम मिलता है।
- मिर्गी-मूर्च्छा में मात्र राई पीस कर सूंघाने से फायदा होता है।
- राई के तेल में बारीक नमक मिलाकर मंजन करने से पायरिया रोग का नाश होता है।
- राई के अधिक प्रयोग से उल्टी हो सकती है अत: राई का सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।

सर्दियों में होंठ और हाथों की यूं करें देखभाल

सर्दियों में होंठ व हाथ रूखे हो जाते हैं। ऐसे में इन्हें खास देखभाल की जरूरत होती है। होंठ और हाथों की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं :

हाथों के लिए सुझाव

- हाथ धुलने के बाद मॉइश्चराइजर बरकरार रखने के लिए हमेशा अच्छा हैंड क्रीम लगाएं।
- रात में हाथों को अच्छे नरीशिंग क्रीम से मसाज करें और नाखूनों व नाखूनों के आसपास के हिस्से में भी मसाज करना नहीं भूलें।
- नहाने से पहले त्वचा पर तेल से मसाज करें। इससे आपके हाथ मुलायम बनेंगे।
- नहाने के तुरंत बाद लोशन या क्रीम लगाएं। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी।
- सर्दियों में शावर जेल या ग्लिसरीन युक्त साबुन का इस्तेमाल करें।
- एक बड़े चम्मच एवोकैडो ऑयल में एक बड़ा चम्मच शहद और एक बड़ा चम्मच दही मिला लें और इससे हाथों की मसाज करें। हाथों का रूखापन दूर करने के लिए 10 मिनट बाद धो लें।

होंठ की देखभाल

- होंठों को रूखेपन व फटने से बचाने के लिए आर्गन प्योर कोल्ड प्रेस्ड ऑयल की कुछ बूंदों में एक बड़ा चम्मच ब्राउन शुगर मिलाकर लगाएं।
- फटे होंठों के लिए शहद मॉइश्चराइजर का काम करता है। शहद को अपने होंठों पर लगा लें या फिर रात में सोने से पहले शहद और ग्लिसरीन के मिश्रण को लगा लें।
- आप चाहे तो ताजे दूध की क्रीम भी होंठों पर लगा सकते हैं और इसे 10 मिनट तक लगा रहने दें। फिर इसे गुनगुने पानी में भीगी रूई के फाहे से हल्के हाथों से साफ कर लें। कोमल व गुलाबी रंगत के होंठों के लिए ऐसा रोजाना करें।
- रात में सोने जाने से पहले होंठों को गुनगुने पानी से धोकर मुलायम कपड़े से पोंछे ले और फिर तुरंत लिप बाम लगा लें।
- होंठों की नमी बरकरार रखने के लिए पानी का सेवन खूब करें, इससे आपके होंठों की कोमलता बरकरार रखने में मदद मिलेगी।
- सर्दियों में होंठों को फटने से बचाने के लिए ऑर्गेनिक घी, बादाम तेल और नारियल तेल युक्त लिप बाम का इस्तेमाल करें।
- सर्दियों में लिपस्टिक आपके होंठों को सुरक्षा प्रदान करता है। पिंक या प्लम कलर के लिपस्टिक लगा सकती हैं, जो आपके होंठों की न सिर्फ खूबसरती बढ़ाएगा, बल्कि इसे कोमल भी रखेगा। ऑर्गेनिक घी, शहद, बादाम तेल, रोज ऑयल जैसे इंग्रेडिएंट्स सर्दियों में आपके होंठों को कोमल रखेंगे।
- रोजाना हैंडक्रीम लगाने से हाथ रूखे नहीं होंगे। कोकम बटर, ऑर्गेनिक हनी, एलो, हल्दी, सेसम ऑयल, एप्रिकोट ऑयल जैसे इंग्रेडिएट्स अल्ट्रा-मॉइश्चराइजिंग होते हैं, जो त्वचा को मुलायम रखते हैं।
- गर्मियों की तरह ही सर्दियों में भी त्वचा को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाना जरूरी है। तेज धूप में त्वचा को टैनिंग से बचाने के लिए धूप में निकलने से पहले सन प्रोटेक्शन क्रीम का इस्तेमाल करें।

सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाएंगे गुड़ मेथी के लड्डू

सर्दियों में गुड़ मेथी के लड्डू खाने का मजा ही कुछ और है। गुड़ मेथी के लड्डू ना सिर्फ स्वाद में गजब होते हैं बल्कि इससे इम्यूनिटी बढ़ने के साथ सर्दी भी कम लगती है। जानते हैं, कैसे बनाएं गुड़ मेथी के लड्डू

लड्डू बनाने के लिए सामग्री

100 ग्राम मेथी दाना, 1/2 लीटर दूध
300 ग्राम गेहूं का आटा, 250 ग्राम घी
100 ग्राम गोंद, 30-35 बादाम
300 ग्राम गुड़ या चीनी
8-10 काली मिर्च, 2 छोटी चम्मच जीरा पाउडर, 2 चम्मच सोंठ पाउडर, 10 छोटी इलाइची, 4 टुकड़े दालचीनी, 2 जायफल

लड्डू बनाने की विधि

- सबसे पहले मेथी दाना को साफ कर लें। अब मेथी को मिक्सर से थोड़ी दरदरी पीस लें।
- एक पैन में दूध उबालने के लिए रख दें।
- अब पिसी हुई मेथी को 8-10 घंटे के लिए दूध में भिगो दें।
- बादाम को काट लें और काली मिर्च, दाल चीनी, इलाइची और जायफल को कूट लें।
- अब एक कड़ाही में आधा कप घी डालकर, भीगी हुई मेथी को भूनें. आपको मध्यम आंच पर इसे हल्का ब्राउन होने तक भूनना है।
- अब बचे हुए घी में गोंद को तल लें और किसी प्लेट में निकाल लें।
- इसी कड़ाही में बाकी घी डालकर आटे को हल्का ब्राउन होने तक भून लें।
- इसके बाद कड़ाही में 1चम्मच घी डाल कर, गुड़ को पिघला लें और चाशनी बना लें।
- गुड़ की चाशनी में, जीरा पाउडर, सोंठ पाउडर, कटे हुए बादाम, काली मिर्च, दालचीनी, जायफल और इलाइची डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- अब इसमें भुनी हुई मेथी, भुना आटा, भुना गोंद डासकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- इस मिश्रण से अपनी पसंद के आकार के लड्डू बनाकर रख लें. लड्डू को थोड़ी देर के लिए हवा में खुला रहने दें।
- बाद में किसी एअर टाइट डब्बे मे सभी लड्डू को भरकर रख लें। आप इन्हें दूध से रोज सुबह शाम खाएं।
- आप चाहें तो लड्डू में गुड़ की जगह पर चीनी या बूरा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपने पसंद के हिसाब से लड्डू में कोई मेवा कम या ज्यादा भी कर सकते हैं।
- मेथी के लड्डू खाने से आपको जोड़ों के दर्द, कमर दर्द और सर्दी में आराम मिलेगा।

कोरोना के कारण चीन के 152 शहरों में अब भी लॉकडाउन, लोगों को घरों में किया गया कैद, देश में चल रही है जिनपिंग की तानाशाही

बीजिंग। दुनिया को कोरोना वायरस जैसी महामारी देने वाला चीन खुद काफी लंबे समय से कोरोना वायरस महामारी की मार झेल रहा हैं। कोरोना को लेकर चीन काफी सख्त हैं। कोरोना को जड़ से खत्म करने के लिए चीन ने अपने कई शहरों में कड़ा लॉकडाउन लगा रखा है। इस लॉकडाउन के चलते 152 शहरों के लोग अपने अपने घरों में कैद हैं। जहां पूरे विश्व में लॉकडाउन खत्म कर दिया गया है ऐसे में चीन में लोग अभी भी घरों में बंद हैं ऐसे में लोगों का दम अब घुटने लगा है और वह नियमों को तोड़कर सड़को पर आ रहे हैं। इससे पहले शिंघाई में भी लॉकडाउन लगाया गया था। कोविड के मामले बढ़ जाने के बाद वुहान ने अपने केंद्रीय जिलों में से कई को बंद कर दिया। मध्य चीन के वुहान से लेकर उत्तर-पश्चिम में ज़िनिंग तक चीनी शहर कोविड़-19 प्रतिबंधों को दोगुना कर दिया है। इमारतों को सील कर रहे हैं, जिलों को बंद कर रहे हैं और व्यापक प्रकोप को रोकने के लिए एक हाथापाई में लाखों लोगों को संकट में डाल रहे हैं। चीन में एक दिन में एक हजार मामले सामने आये हैं। आर्थिक उत्पादन के हिसाब से चीन का चौथा सबसे बड़ा शहर और ग्वांगडोंग की प्रांतीय राजधानी ग्वांगझू ने गुरुवार को और अधिक सड़कों और मोहल्लों को सील कर दिया और लोगों को अपने घरों में रहने को कहा गया हैं। हन्यांग जिले के लगभग 900,000 निवासियों को बुधवार से अपने घरों में रहने के लिए कहा गया था। क्षेत्र के सीडीसी के एक प्रवक्ता ने ब्लूमबर्ग न्यूज को फोन पर बताया। हनयांग के स्वास्थ्य ब्यूरो के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि तालाबंदी रविवार तक चलेगी, और सभी गैर-जरूरी व्यवसायों को बंद करने के लिए कहा गया है। सुपरमार्केट और फ़ार्मेसी चालू रहेंगे।

पोर्नोग्राफी पर पोप फांसिस ने किया बड़ा खुलासा, नन और प्रीस्ट भी मोबाइल पर देखते हैं पोर्न, कहा- इससे दिल में शैतानियत बसने लगती है

कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप फांसिस ने बुधवार 26 अक्टूबर को 'ऑनलाइन पोर्नोग्राफी के खतरों' को लेकर लोगों को चेताया है। उन्होंने कहा कि ये एक ऐसा दोष जो प्रीस्ट और ननों सहित कई लोगों के पास है, वे भी पोर्न देखते हैं। पोप नियमित रूप से लोगों को अश्लील सामग्री देखने खिलाफ चेतावनी देते रहते है। जून में पोप फांसिस ने पोर्नोग्राफी को 'सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा' घोषित करने का आह्वान किया था। संत पापा फ़ाँसिस रोम में पढ़ रहे पादरियों और सेमिनारियों के साथ कैसे डिजिटल और सोशल मीडिया का सर्वोत्तम उपयोग किया जाना चाहिए के विषय पर बोल रहे थे। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार पोप फांसिस ने कहा कि आप में से प्रत्येक सोचता है कि क्या आपके पास अनुभव है या डिजिटल पोर्नोग्राफी का प्रलोभन है। ये एक बुराई है कि इतने सारे लोगों के पास, इतने सारे आम आदमी, इतने सारे आम लोग और यहां तक कि प्रीस्ट और नन भी पोर्न देखते हैं। शैतान वहाँ से प्रवेश करता है, यह प्रीस्ट के हृदय को कमजोर करता है। अश्लील साहित्य के बारे में इन विवरणों में जाने के लिए मुझे क्षमा करें, लेकिन एक वास्तविकता है- एक वास्तविकता जो प्रीस्ट, सेमिनरियों, ननों, पवित्र आत्माओं को छूती है। 86 वर्षीय पोंटिफ ने सभी से 'किसी भी प्रलोभन से बचने' के लिए अपने फोन से किसी भी डिजिटल अश्लील सामग्री को हटाने का आग्रह किया। पोप फांसिस ने कहा कि एक साफ दिल जिसमें जीसस रहते हों, वो कभी पोर्न नहीं देखेगा। पोप फांसिस ने वहां मौजूद लोगों को सलाह देते हुए कहा कि इस तरह की सभी चीजें फोन से डिलीट कर दीजिए। जिससे तुम्हारे हाथ में प्रलोभन का जरिया ही ना रहे।

ईरान में शिया मुस्लिमों के पवित्र स्थल पर बंदूकधारियों ने की फायरिंग, 15 लोगों की मौत

दुबई । ईरान में शिया सुन्नी विवाद के चलते दक्षिण शहर शिराज में शिया मुसलमानों के पवित्र स्थल पर बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की जिसमें कम से कम 15 लोगों की जान चली गई। ईरान की सरकारी मीडिया ने यह खबर दी है। न्यायपालिका की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, शाह चेरघ मस्जिद पर हमले के सिलसिले में दो बंदूकधारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि तीसरा फरार है। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, 15 लोगों की मौत हुई है जबकि सरकारी टीवी के अनुसार, 40 लोग घायल भी हुए हैं। गौरतलब है कि ईरान में सुन्नी चरमपंथी अतीत में अकसर शिया मुसलमानों के पवित्र स्थलों को निशाना बनाते रहे हैं और इस हमले में भी उनकी संलिप्तता नजर आ रही है। ईरान में यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब आजादी की मांग को लेकर देश में महीने भर से सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है। वहीं, 22 वर्षीय माहसा अमीनी की हिरासत में हुई मौत के 40 दिन पूरे होने पर देश के उत्तरी-पश्चिमी शहर की सड़कों पर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी उतरे। गौरतलब है कि शिया मुसलमानों में मृत्यु के बाद तमाम रीति-रिवाज होते हैं और मौत के 40 दिन पूरे होने पर फिर से शोक मनाया जाता है। अमीनी के कुर्द पैतृक शहर साकेज में उसके कब्र तक पहुंचने के लिए लोगों की लंबी-लंबी लाइनें लगी रहीं। सरकार से जुड़ी मीडिया के अनुसार, अमीनी की कब्र तक पहुंचने वाले जुलूस में 10,000 प्रदर्शनकारी शामिल थे। महिलाओं ने अपने हिजाब उतार दिए और उन्हें अपने सिर के ऊपर हवा में घुमाया।

मेक्सिकों में समलैंगिक विवाह अब कानूनी रूप से वैध, समर्थन और विरोधी नारेबाजी के बीच विधेयक पारित

मेक्सिको के सीमावर्ती राज्य तमाउलिपास राज्य की विधायिका ने बुधवार को समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी। इसी के साथ ही तमाउलिपास मेक्सिको का 32वां और अंतिम राज्य बन गया है जहां समलैंगिक विवाह को कानूनी रूप से वैध घोषित कर दिया गया है। समलैंगिक विवाह को कानूनी बनाने के लिए नागरिक संहिता में संशोधन हेतु पेश विधेयक को 12 के मुकाबले 23 मतों से मंजूरी दी गई जबकि दो सदस्य अनुपस्थित रहे। इसी के साथ समलैंगिक विवाह के समर्थकों के चेहरे पर खुशी छा गई। सदन में जब विधेयक को पारित करने के लिए पेश किया गया, तब दर्शक दीर्घा में इसके समर्थक और विरोधी मौजूद थे और नारेबाजी कर रहे थे जिसकी वजह से सदस्यों को बहस पूरी करने और मतदान करने के लिए दूसरे कक्ष में जाना पड़ा। मेक्सिको के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अर्तुरो जालदिवार ने विधेयक पारित होने का स्वागत किया है। उन्होंने ट्वीट किया, ''पूरा देश इंद्रधनुष के रंग से चमक रहा है। सभी लोग सम्मान अधिकार के साथ रहेंगे।'' इससे पहले, दिन में दक्षिणी राज्य ग्युरेरो ने भी समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने के लिए इसी तरह का कानून पारित किया था। गौरतलब है कि वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को रोकने वाले, राज्यों के कानून को गैर कानूनी करार दिया था, लेकिन कुछ राज्यों ने इससे संबंधित कानून में संशोधन करने में वर्षों का समय लिया।

एलियन वाकई हैं, वे हमें कीटाणु समझकर उनपर शोध करते : डिमिट्री

वाशिंगटन । एलियन को लेकर दुनिया में विचित्र दावे सालों से हो रहे हैं। कुछ पक्षों का कहना है कि इसतरह के जीव मौजूद ही नहीं हैं, वहां सिर्फ हमारी कल्पना है वहीं कुछ का कहना है कि धरती की ही तरह इसतरह कई ग्रह हो सकते हैं, जहां जीवन होगा।

इस बीच वैज्ञानिकों द्वारा किए गए दावे सबसे अहम माने जाते हैं, जो खुलकर ये बोल चुके हैं कि एलियन वाकई होते हैं। हाल ही में रूसी वैज्ञानिक ने भी इस बात का दावा कर सभी को चौंका दिया। रिपोर्ट के अनुसार रूसी स्पेस एजेंसी के पूर्व चीफ डिमिट्री रोगोजिन ने दावा किया है कि एलियन होते हैं और वहां धरतीवासियों को कीटाणु समझकर उनपर शोध करते हैं। इसी साल जून में डिमिट्री ने कई खुलासे किए जो लोगों को हैरान कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वहां हमें देख रहे हो सकते हैं, पर हमें उनकी जरा भी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि दुनिया के दूसरे ग्रहों पर जीवन की उत्पत्ति के लिए कई कारण मौजूद हो सकते हैं जैसे धरती पर रहे होगे। डिमिट्री ने कहा, हमें बिग बैंग के बारे में पता है पर ये भी मुमकिन है कि बिग बैंग दुनिया के सिर्फ एक हिस्से में हुआ हो जबकि दूसरा हिस्सा किसी अन्य तरीके से विकसित हो रहा हो। उन्होंने नासा के वैज्ञानिकों से भी इस बात पर चर्चा की और कहा कि वहां भी ये मानते हैं कि हम किसी बाहरी अवलोकन का हिस्सा हैं।

रुस में रक्षा मंत्रालय ने यार्स इंटरकांटिनेंटेल बैलास्टिक मिसाइल लांच की।

ब्रिटेन के हिंदू पीएम ऋषि सुनक ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट को दीपों से किया रोशन

लंदन । भारत के लिए गौरव की बात है कि भारतीय मूल के ऋषि सुनक ब्रिटेन के पहले एशियाई और हिंदू प्रधानमंत्री बन गए है। दो साल पहले जब वह वित्त मंत्री थे तो उन्होंने दिवाली का जश्न आधिकारिक निवास 11 डाउनिंग स्ट्रीट पर मनाया था। इस बार दिवाली उनके लिए बहुत खास थी और इसका जश्न 10 डाउनिंग स्ट्रीट यानी ब्रिटिश पीएम के आधिकारिक निवास पर मनाया गया। सुनक ने यहां पर दिये जलाये और सबको दिवाली की शुभकामनाएं दीं। सुनक ने कहा कि वह एक ऐसा देश बनाएंगे जहां पर हर बच्चा दिवाली मनायेगा। लिज ट्रस के बाद 10 डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचे सुनक ने बुधवार रात दिवाली के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर इसकी तस्वीर भी शेयर की। सुनक ने इस मौके पर कहा, 'आप सभी को दिवाली की शुभकामनाएं। इस पद पर रहते हुए मैं एक ऐसे ब्रिटेन के निर्माण के लिए सब कुछ करूंगा, जहां पर हमारे बच्चे और पोते-पोतियां दिया जला सकें।' सुनक ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, '10 नंबर में आज दिवाली कार्यक्रम में आकर बड़ा अच्छा लगा।' भारत समेत दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जब दिवाली का जश्न जारी था और दीपक जलाये जा रहे थे, उसी समय सुनक के पीएम बनने की खबर आई। दो साल पहले जब सुनक एक चासंलर थे तो उन्होंने अपने आधिकारिक निवास 11 डाउनिंग स्ट्रीट के दरवाजे पर दीये लगाए थे। यह वह समय था जब कोविड-19 के प्रतिबंध जारी थे। पीएम बनते ही सुनक की वह फोटोग्राफ वायरल होने लगी।

भारत, पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दा बातचीत और विचार-विमर्श से सुलझाना चाहिए: चीन

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दा बातचीत और विचार-विमर्श के जरिए सुलझाना चाहिए तथा स्थिति को और जटिल बनाने वाली 'एकतरफा कार्रवाई' करने से बचना चाहिए। एक पाकिस्तानी पत्रकार द्वारा कश्मीर मुद्दे के बारे में किए गए सवाल पर चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि कश्मीर के मुद्दे पर चीन की स्थिति हमेशा एक ''समान और स्पष्ट'' रही है।

माओ ने कहा, ''यह भारत और पाकिस्तान के बीच इतिहास का एक शेष मुद्दा है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर,सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीके से, ठीक से प्रबंधित किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''संबंधित पक्षों को स्थिति को और जटिल बनाने वाली एकतरफा कार्रवाई करने से बचना चाहिए। साथ ही, विवाद को सुलझाने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए बातचीत और विचार-विमर्श में शामिल होना चाहिए।'' भारत ने पूर्व में कश्मीर मुद्दे पर तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर से संबंधित मामले पूरी तरह से देश के आंतरिक मामले हैं। विदेश मंत्रालय ने इस साल मार्च में कहा था, ''चीन सहित अन्य देशों को इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें ध्यान देना चाहिए कि भारत उनके आंतरिक मुद्दों पर किसी तरह की टीका-टिप्पणी से परहेज करता है।' कश्मीर मुद्दे और पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं।

भारत द्वारा 5 अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और खराब हो गए। भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि जम्मू कश्मीर ''हमेशा से भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा।'' भारत ने कहा है कि वह आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भारत में होने वाले अहम आतंकवाद रोधी सम्मेलन को लेकर उत्सुक : अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत की मेजबानी में होने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के दो दिवसीय आतंकवाद रोधी सम्मेलन से पहले अमेरिका ने इसे वैश्विक समस्या से लड़ने के लिहाज से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण सम्मेलन बताया है। भारत पहली बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति (सीटीसी) की विशेष बैठक की मेजबानी करेगा। बैठक में 'आतंकवाद के उद्देश्य से नयी और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग का मुकाबला करना' के विषय पर चर्चा होगी।

वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक क्रिस लू के नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भारत का दौरा करेगा और 28-29 अक्टूबर को मुंबई तथा नयी दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में भाग लेगा। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन से पहले संयुक्त राष्ट्र प्रबंधन और सुधार के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि लू ने ट्वीट किया, ''संयुक्त राष्ट्र के इस महत्वपूर्ण आतंकवाद रोधी सम्मेलन में भाग लेने और अमेरिका तथा भारत के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने को लेकर आशान्वित हूं।'' संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के मिशन ने बुधवार को मीडिया नोट में कहा, ''राजदूत लू आतंकवाद रोधी कार्रवाई और दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण संबंधों पर विचार रखेंगे।'' विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा ने कहा कि यूएनएससी-सीटीसी द्वारा भारत में यह दो दिवसीय आतंकवाद रोधी सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसकी शुरूआत 28 अक्टूबर को मुम्बई से होगी। उन्होंने बताया कि 28 अक्टूबर को मुम्बई में होटल ताजमहल पैलेस में 26/11 आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर मौजूद रहेंगे। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य सहित अन्य प्रतिनिधि शामिल होंगे।

अमेरिका-भारत संबंधों को फिर से अगले स्तर तक लेकर जाएंगे : ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर वह 2024 में राष्ट्रपति चुनाव जीतते हैं तो भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को अगले स्तर तक लेकर जाएंगे। फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो रिजॉर्ट में रिपब्लिकन हिंदू कोलिशन (आरएचसी) द्वारा आयोजित दिवाली कार्यक्रम में शामिल करीब 200 भारतीय-अमेरिकियों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनके हिंदू समुदाय, भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह 2024 में अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित होते हैं तो आरएचसी के संस्थापक शलभ कुमार को भारत में अपना राजदूत नामित करेंगे।

आरएचसी ने बीते शुक्रवार को दिवाली कार्यक्रम में ट्रंप द्वारा दिए गए भाषण का वीडियो मंगलवार को जारी किया। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि वह चुनाव लड़ेंगे कि नहीं, लेकिन अगर वह चुनाव लड़ते हैं और 2024 में जीत दर्ज करते हैं तो भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रति उनकी कुछ खास प्रतिबद्धताएं होंगी। ट्रंप ने कहा, ''हमें 2016 और 2020, दोनों बार हिंदुओं का बहुत समर्थन मिला था और भारत तथा उसके लोगों का भी समर्थन मिला था। मैं वाशिंगटन डीसी में एक हिंदू होलोकास्ट स्मारक बनाने के विचार का पूरी तरह से समर्थन करता हूं।''

उन्होंने वादा किया कि अगर वह 2024 में राष्ट्रपति चुनाव जीतते हैं तो भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को अगले स्तर तक लेकर जाएंगे। वहीं, कुमार ने कहा कि ट्रंप हिंदू समुदाय के सच्चे मित्र रहे हैं और आरएचसी को अमेरिका में इस समुदाय को सशक्त बनाने में पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों पर गर्व है।

नाटो और रूस ने किए परमाणु अभ्यास, यूक्रेन पर पुतिन ने रेडियोधर्मी 'डर्टी बम' गिराने का दावा दोहराया

कीव। (एजेंसी)।

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और रूस की सेना ने बुधवार को वार्षिक परमाणु अभ्यास किए। इसके साथ ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के रेडियोधर्मी ''डर्टी बम'' का इस्तेमाल करने की योजना के दावे को दोहराया। वहीं, रूसी सेना ने बुधवार को यूक्रेन के 40 से अधिक गांवों पर हमले किए। पुतिन ने अपनी सामरिक परमाणु सेना के अभ्यासों का निरीक्षण किया। इन अभ्यासों में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों का परीक्षण शामिल है। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने पुतिन को बताया कि अभ्यास में रूस पर परमाणु हमला होने की स्थिति में ''बड़ा परमाणु हमला'' करने का अभ्यास किया गया।

इस बीच, नाटो उत्तरपश्चिमी यूरोप में अपना वार्षिक परमाणु अभ्यास कर रहा है जिसकी योजना उसने लंबे समय से बनायी हुई थी। पुतिन ने रूसी टेलीविजन पर बिना किसी प्रमाण के कहा कि यूक्रेन की ''उकसावे के तौर पर तथाकथित डर्टी बम इस्तेमाल'' करने की योजना है। साथ हीउन्होंने दलील दी कि अमेरिका, रूस तथा उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ यूक्रेन का इस्तेमाल कर रहा है और उसने यूक्रेन को ''सैन्य-जैविक प्रयोगों के परीक्षण मैदान'' में बदल दिया है। यह पहली बार है जब पुतिन ने खुद 'डर्टी बम' के आरोप लगाए हैं जिसकी अभी तक कोई पुष्टि नहीं की गयी है। यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों ने इन दावों को खारिज किया और दलील दी कि युद्ध क्षेत्र में झटके झेल रहा रूस खुद ''डर्टी बम'' विस्फोट करने की कोशिश कर सकता है। शोइगु ने बुधवार को भारत और चीन के अपने समकक्षों को ''यूक्रेन द्वारा संभावित रूप से डर्टी बम इस्तेमाल किए जाने'' को लेकर मॉस्को की चिंता से अवगत कराया।

नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने रूस के अपुष्ट बयानों को ''बेतुका'' बताया। उन्होंने बुधवार को ब्रसेल्स में नाटो मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, ''नाटो सहयोगी इस घोर झूठे आरोपों को खारिज करते हैं और रूस को युद्ध आगे बढ़ाने के लिए झूठी आड़ नहीं लेनी चाहिए।'' पश्चिमी देशों द्वारा इनकार करने के बावजूद क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने जोर दिया कि मॉस्को के पास ''ऐसे एक आतंकी हमले के लिए यूक्रेन में तैयारियां किए जाने'' की सूचना है। वहीं, स्लोवेनिया सरकार ने कहा कि रूस 2010 की एक तस्वीर का इस्तेमाल कर ''डर्टी बम'' के बारे में गलत सूचना फैलाने का अभियान चला रहा है। अपने अपुष्ट दावों को दोहराने के साथ ही पुतिन ने ऐसे संकेत दिए हैं कि वह कीव के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। इस संबंध में ताजा संदेश गिनी बसाऊ के राष्ट्रपति उमारो मुख्तार सिस्सोको एम्बालो के जरिए आया जो यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने कीव गए थे। गिनी बसाऊ के नेता ने कहा, ''मैंने रूस में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी, जिन्होंने मुझसे आप तक कुछ बात पहुंचाने के लिए कही जो वह समझते हैं कि बहुत महत्वपूर्ण है। वह चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत हो।'' जेलेंस्की ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बातचीत की पूर्व शर्त यह होगी कि रूस, यूक्रेनी क्षेत्र, सीमाओं और संप्रभुत्ता को पहचान दें। दोनों देशों ने युद्ध बंदियों की अदला-बदली जैसे कुछ मुद्दों पर सीमित सहयोग किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख आंद्रे यर्माक ने बुधवार को कहा कि रूसी सेना ने यूक्रेन के 10 युद्ध बंदियों को सौंपा है।

दुनिया आर्थिक संकट में, वैश्विक समुदाय को मिलकर काम करने की जरुरत

वाशिंगटन (एजेंसी)।

दुनिया भर के देश ऋण संकट की ओर बढ़ रहे हैं। आर्थिक मंदी और बढ़ती मुद्रास्फीति ने खर्च सीमा बढ़ा दी है, जिससे कई सरकारों के लिए अपने बकाया पैसे का भुगतान करना लगभग असंभव हो गया है। सामान्य समय में, वे देश पुराने कर्ज को चुकाने के लिए नया कर्ज ले सकते थे। लेकिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों ने ऐसा करना और भी मुश्किल बना दिया है। नतीजतन, कुछ देश अपना कर्जा चुकाने की निर्धारित समय सीमा तक इसे चुका नहीं पाएंगे। श्रीलंका और जाम्बिया पहले ही भुगतान न करने वाले देशों में अपना नाम लिखवा चुके हैं, दोनों देश आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं, और आने वाले समय के विश्व की तस्वीर पेश कर रहे हैं।

इस चिंताजनक परिदृश्य का एक मुख्य कारण यह है कि दुनिया भर के देश अनिवार्य रूप से अमेरिकी डॉलर या यूरो में पैसा उधार लेने और भविष्य के ऋण भुगतान के लिए विदेशी मुद्रा भंडार रखने के लिए मजबूर हैं। लेकिन उन भंडारों को अन्य महत्वपूर्ण मांगों का सामना करना पड़ता है। उन्हें तेल और अन्य आयात खरीदने और अपनी घरेलू मुद्रा के विश्वसनीय मूल्य को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए, उनके पास जो भंडार है, वह इन सभी मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है - विशेष रूप से ऊर्जा की कीमतें बढ़ने के बाद जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया। साथ ही, विदेशी मुद्राओं में खरीदना अधिक महंगा हो गया है क्योंकि यूएस फेडरल रिजर्व और यूरोपीय सेंट्रल बैंक ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं।

ऐसी खबरें हैं कि श्रीलंका के पास कोई भंडार नहीं बचा है, जबकि कहा जाता है कि पाकिस्तान महीने-दर-महीने आधार पर अपना काम चला रहा है। देश आम तौर पर पुराने ऋण को आगे बढ़ाने के लिए नए बांड जारी करते हैं (उन्हें व्यापार योग्य आईओयू के रूप में सोचते हैं)। यह प्रक्रिया तब तक ठीक काम करती है, जब तक कि इसमें कोई समस्या नहीं आती। जुलाई 2022 में, किसी भी उभरते हुए देशों ने कोई नया बांड जारी नहीं किया, जो दर्शाता है कि निवेशक कम मुद्रा भंडार के जोखिम से चिंतित हैं, और अब उन्हें उधार देने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

चीन ने भी वैश्विक जोखिम को देखते हुए अपने जोखिम को सीमित रखने के लिए महामारी की शुरुआत के बाद से अपने ऋण को कम कर दिया है। इसलिए बांड बाजार या चीन के बिना, देश ऋण के वैकल्पिक स्रोतों की ओर रुख कर रहे हैं। उदाहरण के लिए केन्या और घाना ने हाल ही में बजट की कमी को दूर करने के लिए बैंक ऋण लिया। और जबकि इन ऋणों की सटीक शर्तें ज्ञात नहीं हैं, बैंक आमतौर पर उच्च ब्याज दरों और कम अवधि में भुगतान की मांग करते हैं, जो केवल देश के वित्तीय तनाव के स्तर को बढ़ा सकता है। अन्य देश कुछ तेल-समृद्ध खाड़ी देशों की ओर रुख कर रहे हैं जो वर्तमान में उच्च ऊर्जा कीमतों से फायदा उठा रहे हैं।

मिस्र और पाकिस्तान को सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर से कर्ज मिला है, जबकि तुर्की ने भी यूएई से कर्ज लिया है। ये ऋण स्वागत योग्य जीवन रेखा हो सकते हैं, लेकिन वे अमीर देशों के लिए अपना प्रभाव बढ़ाने और निर्भरता उत्पन्न करने के अवसर भी पैदा करते हैं। कुल मिलाकर, दुनिया के कुछ सबसे गरीब और कर्जदार देशों के खिलाफ कई कारक काम कर रहे हैं। यदि वैश्विक ऋण संकट उत्पन्न होता है, तो उसके बाद राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता। श्रीलंका की चूक का व्यापक विरोध हुआ, जिससे राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। और शोध से पता चलता है कि चरमपंथी दल वित्तीय संकट के बाद बेहतर प्रदर्शन करते हैं। तरलता और पारदर्शिता लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसे परिदृश्य से बचने में मदद करने में देर नहीं हुई है।

सार समाचार

सेना की उत्तरी कमान ने 76वां शौर्य दिवस मनाया, सेना द्वारा राष्ट्र के सम्मान और उसकी अखंडता में किए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया गया

नई दिल्ली। उधमपुर स्थित उत्तरी कमान ने बृहस्पतिवार को 76वांशौर्य (इन्फैंट्री) दिवस मनाया। वर्ष 1947 में जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान के हमले को नाकाम करने के लिए 27 अक्टूबर को भारतीय सेना द्वारा शुरू किए गए अभियान की याद में यह दिवस मनाया जा रहा है। एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि कमान मुख्यालय के ध्रुव युद्ध स्मारक में पारंपरिक पुष्पांजलि समारोह के साथ यह दिवस मनाया गया। उन्होंने कहा कि इस दिन भारतीय सेना द्वारा राष्ट्र के सम्मान और उसकी अखंडता की रक्षा में किए गए सर्वोच्च बलिदान को सभी ने याद किया। प्रवक्ता ने कहा कि चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने उत्तरी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी की ओर से स्मारक पर पुष्प चक्र चढ़ाया। लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करने के दौरान कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए सभी सैनिकों की सराहना की। उन्होंने राष्ट्र की भूभागीय अखंडता की रक्षा और आतंकवाद से लड़ने के दौरान प्राण न्योछावर करने वाले सैनिकों को भी सलाम किया।

वैदिक मंत्रोच्चार से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद शीतकाल के लिए बंद हुए केदारनाथ धाम के कपाट

हरिद्वार(ईएमएस)। गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र के विश्वप्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट गुरुवार को भैया दूज के पर्व पर श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के सूत्रों ने बताया कि सुबह 8ः30 बजे भगवान केदारनाथ के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। सेना की 11 मराठा रेजीमेंट के बैंड की भक्तिमय स्वर लहरियों के बीच कपाट बंद होने के मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, तीर्थ पुरोहित और 3 हजार से अधिक श्रद्धालु भी मौजूद थे। इस दौरान, श्रद्धालुओं के बम बम भोले और जय केदार के उद्घोष से केदारनाथ धाम गुंजता रहा।

मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ हरीश गौड़ ने बताया कि तड़के 3 बजे केदारनाथ मंदिर को खोले जाने के बाद 4 बजे से कपाट बंद करने की समाधि पूजन प्रक्रिया शुरू हुई। पुजारी टी गंगाधर लिंग ने भगवान केदारनाथ के स्वयंभू ज्योर्तिलिंग को श्रृंगार रूप से समाधि रूप देते हुए उसे बाघंबर, भृंगराज फूल, भस्म, स्थानीय शुष्क फूलों-पत्तों से ढक दिया। इसके बाद भैरव नाथ के आह्वान के साथ गर्भगृह और मुख्य द्वार को श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया और भगवान शंकर की पंचमुखी डोली उखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर की तरफ रवाना हो गई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तीर्थयात्रियों का आभार जताया और कहा कि इस बार चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नयी केदार पुरी अस्तित्व में आ चुकी है, जहां तीर्थयात्रियों को हर संभव सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। धामी ने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री ने गौरीकुंड-केदारनाथ रोपवे का शिलान्यास किया है और इसके बनने से केदारनाथ यात्रा और सुगम हो जाएगी। यमुनोत्री के कपाट भी बृहस्पतिवार को बंद होंगे, जबकि बदरीनाथ के कपाट 19 नवंबर को बंद होंगे। ठंड में बर्फबारी और भीषण ठंड की चपेट में रहने के कारण चारधाम के कपाट हर साल अक्टूबर-नवंबर में बंद कर दिए जाते हैं और अगले साल अप्रैल-मई में फिर से खोले जाते हैं।

महाराष्ट्र में गन्ने की फसल की कीमत बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन शुरू

मुबंई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में किसानों ने गन्ने की फसल के लिए अधिक कीमत की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया है और विरोध के रूप में उन्होंने फसल को चीनी फैक्टरी ले जा रहे वाहनों के पहियों की हवा निकाल दी। किसानों ने कहा है कि राज्य सरकार उनकी मांगों पर ध्यान दे और समस्या का समाधान करे।

पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार रात सोलापुर में वाखरी के पास अज्ञात व्यक्तियों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली के 11 टायरों की हवा निकाल दी, लेकिन ट्रैक्टर मालिक ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। सोलापुर जिला गन्ना दर संघर्ष समिति के तत्वावधान में विभिन्न किसान संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी संगठनों के एक सदस्य ने बताया की उनकी मांग है कि उनसे 3,100 रुपये प्रति टन की दर से गन्ना खरीदा जाए, जबकि अभी उन्हें 2,100 से 2,300 रुपये प्रति टन की दर से भुगतान किया जाता है। किसान समर्थक संगठनों ने ट्रांसपोर्टरों से गन्ने की फसल को खेतों से चीनी मिल तक नहीं पहुंचाने की अपील की है। किसान समर्थक स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के सदस्य सचिन पाटिल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 卐हाल ही में हमने सोलापुर जिले में लगभग 20,000 गन्ना किसानों का एक सम्मेलन किया था। बैठक में हमने मांग की कि किसानों को गन्ने का भुगतान 3,100 रुपये प्रति टन की दर से किया जाए। हमने मांग की कि एक किसान को पहली किस्त के रूप में 2,500 रुपये और अंतिम बिल के समय शेष 600 रुपये दिए जाएं।卐 पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन ने उनके प्रदर्शन का संज्ञान नहीं लिया है।

757 करोड़ में बनेगा नया थल सेना भवन, शीर्ष पर होगा 'धर्म चक्र'

नई दिल्ली । देश की रक्षा के लिए समर्पित भारतीय सेना के लिए दिल्ली छावनी में जल्द ही थल सेना भवन का निर्माण किया जाएगा, जिसकी तैयारिया शुरू हो चुकी है। केंद्र सरकार ने बुधवार को 757 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय सेना के नए मुख्यालय यानी थल सेना भवन के निर्माण के लिए निविदाएं आमंत्रित कीं। इस परियोजना को 27 महीने के भीतर पूरा किया जाना है। यह थल सेना भवन छह मंजिला होगा और इसके शीर्ष पर 'धर्म चक्र' होगा, जो दूर से ही दिखाई देगा। इतना ही नहीं, सेना अधिकारियों के लिए इसमें आधुनिक दफ्तर होंगे, विशाल जिम होगा, मनोरंजन और किसी समारोह के लिए थल सेना सनकेन गार्डन होगा और सैन्य आयोजनों के लिए स्पेशल सेरोमोनियल मार्ग समेत बहुत कुछ होगा। इस भवन को ग्रीन बिल्डिंग के तौर पर बनाया जाएगा।

दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फरवरी 2020 में नए भवन के निर्माण के लिए परियोजना की आधारशिला रखी थी। भूमि पूजन के दो साल बाद सरकार की तरफ से यह बड़ा अपडेट आया है। मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज (एमईएस) ने भवन निर्माण के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं और कहा है कि जो कंपनी 27 महीने में इस परियोजना का निर्माण करेगी, वही इसका रखरखाव जारी रखेगी और इसे अगले पांच वर्षों के लिए संचालित करेगी। दस्तावेजों के मुताबिक, ग्रीन बिल्डिंग निर्माण के नियमों को ध्यान में रखते हुए परियोजना का निर्माण उच्च गुणवत्ता वाला होना चाहिए। भवन निर्माण में नवीनतम और आधुनिक निर्माण तकनीकों का उपयोग यथासंभव प्राकृतिक परिवेश और विशेषताओं को बेहतर करने के लिए किया जाना चाहिए। इसमें साफ तौर पर कहा गया है कि परियोजना को समय और लागत के भीतर ही पूरा करना होगा।

दस्तावेज में कहा गया है कि छह मंजिला इमारत का मुख्य आकर्षण भवन के शीर्ष पर धर्म चक्र होगा। प्रतिष्ठित इमारत ऐसा बने जो दूर से ही दिख जाए। इस भवन में लेफ्टिनेंट जनरल, मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल, लेफ्टिनेंट कर्नल, निदेशक, मेजर और उप निदेशक जैसे शीर्ष रैंक के अधिकारियों के लिए आधुनिक कार्यालयों की योजना बनाई गई है। एक अलग चार मंजिला इमारत होगी, जिसे इंफ्रास्ट्रक्चर कॉम्प्लेक्स हॉल कहा जाएगा। साथ ही अधिकारियों के लिए एक विशाल व्यायामशाला और एक केंद्रीय पुस्तकालय भी होगा। इतना ही नहीं, एक आवास परिसर भी अलग भवन होगा।

मुख्य भवन से सटे इलाके में मनोरंजन के साथ-साथ किसी उत्सव के आयोजन के लिए एक खाली जगह होगा। बैठने की जगह के रूप में थल सेना सनकेन गार्डन की योजना बनाई गई है। इतना ही नहीं, सेना के कार्यक्रमों के लिए एक औपचारिक पैदल मार्ग के रूप में 9 मीटर चौड़ा परेड पथ भी होगा। साथ ही, इसमें सेना की कलाकृतियों के प्रदर्शन के लिए एक डिस्प्ले गार्डन भी होगा। दरअसल, साल की शुरुआत में इस परियोजना को पर्यावरण मंजूरी दी गई थी। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इसकी निकटता के कारण साइट पर निर्माण की जाने वाली इमारतों की अधिकतम ऊंचाई पर प्रतिबंध है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जो ऊंचाई प्रतिबंध लगाए हैं, उसके मुताबिक, इस इलाके में 282.49 मीटर ऊंची इमारत ही बनाई जा सकती है। दिल्ली छावनी में मानेकशॉ केंद्र के सामने स्थित नया भवन 39 एकड़ में फैला होगा और इसी इमारत के अंदर नई दिल्ली में फैले सेना मुख्यालय के सभी कार्यालय एक साथ होंगे। इस प्रकार इससे सेना की दक्षता में सुधार होगा और यह रसद आवश्यकताओं को सुव्यवस्थित करेगा। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की अध्यक्षता में सैन्य मामलों का विभाग (डीएमए) इस नए भवन से संचालित होगा। साउथ ब्लॉक और सेना भवन में इसके मौजूदा कार्यालय यथावत जारी रहेंगे। यानी आर्मी चीफ का दफ्तर यहां भी होगा।

'370 हटाने के बाद शांति के नए युग की शुरुआत'

अमित शाह बोले- 2014 के बाद वामपंथी उग्रवाद में आई कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राज्यों के गृह मंत्रियों के साथ आज चिंतन शिविर का आयोजन किया गया था। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। इस दौरान अमित शाह ने साफ तौर पर कहा कि चिंतन शिविर में जो भी फैसले लिए गए हैं, वह थानों तक जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद शांति के नए युग की शुरुआत हुई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कश्मीर विकास के रास्ते पर बढ़ रहा है। साथ ही साथ उन्होंने दावा किया कि 2014 के बाद वामपंथी उग्रवाद में भी 87 प्रतिशत में कमी आई है। अमित शाह ने कहा कि पीएफआई पर कार्रवाई आतंक विरोधी अभियान का हिस्सा था। इसके साथ उन्होंने कहा कि नए आईपीसी, सीआरपीसी काम चल रहा है। हमने बहुत होमवर्क किया है और जल्द ही इसे संसद में पेश करेंगे।

इसके साथ गृह मंत्री ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी साझा रणनीति होनी चाहिए और बहुत सारे दीर्घकालिक समझौते हुए हैं। अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, आतंकवादी गतिविधियों में 34प्र. की कमी, सुरक्षा बलों की मौत में 64प्र. की कमी और नागरिक मौतों में 90प्र. की कमी हुई है। हरियाणा के सूरजकुंड में 2 दिवसीय चिंतन शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह चिंतन शिविर अपराध, साइबर अपराधों, नशीले पदार्थों, सीमा पार आतंकवाद, देशद्रोह और अन्य से निपटने के लिए एक संयुक्त योजना बनाने में मदद करेगा। ...'

अमित शाह ने कहा कि हमें सहकारी संघवाद और संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण के अपने लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सक्षम होने के लिए 3सी - सहयोग, समन्वय और सहयोग को महत्व देना होगा ... संसाधन अनुकूलन और एकीकरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमने 2024 तक हर राज्य में एनआईए शाखाएं स्थापित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सीआरपीसी और आईपीसी में सुधार के संबंध में विभिन्न सुझाव प्राप्त हुए हैं। मैं इसे विस्तार से देख रहा हूं, इसमें घंटों निवेश किया है। हम बहुत जल्द संसद में नए सीआरपीसी, आईपीसी ड्राफ्ट लेकर आएंगे।

खड़गे ने कांग्रेस कार्यसमिति के स्थान पर 47 सदस्यीय संचालन समिति गठित की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के नव निर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीडब्ल्यूसी के स्थान पर 47 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया, जिसमें उनकी पूर्ववर्ती सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह शामिल हैं। उनके कार्यभार संभालने से पहले, कांग्रेस कार्य समिति के सभी सदस्यों- पार्टी के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले प्राधिकरण, एआईसीसी महासचिव और प्रभारी ने अपना इस्तीफा दे दिया था।

इससे पहले खड़गे ने कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में अपने पहले भाषण में कहा था कि बाबा साहब (बीआर अम्बेडकर) के संविधान को संघ के संविधान से बदलने की कोशिश की जा रही है और कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नया भारत रोजगार विहीन है, गरीबी और किसानों को पहियों के नीचे कुचला जा रहा है। सरकार का प्रयास देश को विपक्ष रहित बनाना है लेकिन कांग्रेस जनता के लिए सरकार से लड़ेगी।

साफ यमुना के दावे का खुली पोल, छठ से पहले दिखा जहरीला झाग, केजरीवाल सरकार पर हमलावर हुई भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश दुनिया में छठ महापर्व की तैयारी हो रही है। छठ के अवसर पर व्रती जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं। दिल्ली में भी छठ करने वालों की तादाद काफी ज्यादा है। हालांकि, दिल्ली की यमुना नदी से जो तस्वीरें सामने आ रही है वह श्रद्धालुओं को परेशान कर सकती है। दरअसल, दिल्ली में यमुना नदी में जहरीला झाग तैरता हुआ दिखाई दे रहा है। यह जहरीला झाग कालिंदी कुंज इलाके में देखा गया है। यमुना नदी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह झाग काफी नुकसानदेह साबित हो सकता है। भले ही दिल्ली सरकार की ओर से साफ यमुना के दावे किए जाते रहे हैं। लेकिन कहीं ना कहीं इस तरह की चीजें छठ के मौके पर श्रद्धालुओं को परेशान करती हैं। दिल्ली में छठ व्रती भारी संख्या में यमुना नदी में त्योहार मनाने और अर्घ देने जाते हैं।

दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार फिलहाल छठ की तैयारियों में जुटी हुई है। यमुना किनारे कई घाट तैयार कराए जा रहे हैं जहां छठ पर्व मनाया जाएगा। लेकिन झाग वाली तस्वीरें डराने वाली है। इससे पहले उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि किसी भी तरह से पूजा की सामग्री या अनाज यमुना में प्रभाहित ना हो, यह ध्यान दिया जाना चाहिए। दिल्ली में पहले ही जहरीली हवा को लेकर राजनीति हो रही है। अब यमुना में इस तरह के झाग छठ व्रतियों के लिए परेशानी की सबब है। इसी को लेकर अब भाजपा अरविंद केजरीवाल की सरकार पर हमलावर हो गई है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि केजरीवाल हर साल यमुना जी को साफ करने की बात करते हैं और हर साल अपने वादे से मुकर जाते हैं। भाजपा की ओर से ट्वीट कर लिका गया कि 8 साल सत्ता में रहते न यमुना साफ हुई,न ही कूड़े के प्रबंधन के लिए आप ने किया कोई काम-अब चुनाव आते ही फिर से लगाने लगे इल्जाम? भाजपा सांसद परवेश वर्मा ने कहा कि देश की जनता यह देखे कि दिल्ली का मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कितना बड़ा झूठा और बेहरूपिया है। यह है केजरीवाल की हकीकत, माँ यमुना जी खुद अपने मुंह से बोल रही हैं कि मुझे साफ करने की जगह और भी गन्दा और प्रदूषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि जो अरविंद केजरीवाल 7 साल से कहता आ रहा है कि मैं यमुना जी में डुबकी लगाऊंगा, उनको मैं अनुरोध करता हूँ केजरीवाल जी आयें और अपने झूठ के इस प्रदूषण युक्त गंदे पानी में डुबकी लगाएं।

एस जयशंकर की प्रशंसा कर यूएई के मंत्री बोले मैं आपके विदेश मंत्री से बेहद प्रभावित

नई दिल्ली । भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर का वाक पटुता की दुनिया कायल है। अब संयुक्त अरब अमीरात के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग के राज्यमंत्री उमर सुल्तान अल ओलमा ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की तारीफ करते हुए कहा कि वह जयशंकर की इस खूबी से खासे प्रभावित हैं कि कैसे वह भू राजनीतिक रस्साकशी के बीच विश्व मंच पर भारत की विदेश नीति को जगह देते हैं। उमर सुल्तान अल ओलमा ने दिल्ली स्थित एक थिंक टैंक द्वारा आयोजित सम्मेलन के दौरान जयशंकर की खूब तारीफ की। वह इस सम्मेलन में ऑनलाइन जुड़े थे, जिसमें भारत के कई केंद्रीय मंत्री और सांसद भी शामिल हुए थे। उमर सुल्तान अल ओलमा ने भू-राजनीतिक उथलपुथल से निपटने से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, 'ऐतिहासिक रूप से, दुनिया एकध्रुवीय, द्विध्रुवी या त्रिध्रुवीय थी, जहां आपको पक्ष चुनना था। मैं आपके विदेश मामलों के मंत्री से बेहद प्रभावित हूंज मैं उनके कुछ भाषण देखता हूं। संयुक्त अरब अमीरात और भारत दोनों के लिए एक बात बहुत स्पष्ट है, वह यह कि हमें पक्ष चुनने की आवश्यकता नहीं है।' उन्होंने कहा, 'अंत में, भू-राजनीति कुछ पक्षों के सर्वोत्तम हित से निर्धारित होती हैज ऐतिहासिक रूप से मौजूद मॉडल दुर्भाग्य से अब यहां नहीं है। आज एक देश को अपने सर्वोत्तम हितों के बारे में सोचने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि अगर यूएई भारत के साथ काम करता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह अमेरिका के साथ काम नहीं कर सकता।

हेट स्पीच मामले में सपा नेता आजम खान दोषी करार, 3 साल की सुनाई गई सजा, जा सकती है विधायकी

लखनऊ (एजेंसी)।

हेट स्पीच मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और वर्तमान में विधायक आजम खान की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। कोर्ट ने उन्हें इस मामले में दोषी करार दिया है। आजम खान को कोर्ट ने 3 साल की सजा सुनाई है। जिन धाराओं में आजम खान को दोषी पाया गया था, उनमें 3 साल की सजा का अधिकतम प्रावधान है। ऐसे में अब आजम खान की विधायकी पर भी खतरा आ गया है। अगर 2 साल से ज्यादा की सजा होती है तो सदन से इस्तीफा देना पड़ता है। यही कारण है कि अब आजम खान की विधायकी को लेकर भी खतरा मंडराने लगा है। आजम खान पर 2000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। दरअसल, पूरा का पूरा मामला 2019 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। एक चुनावी भाषण के दौरान आजम खान ने आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणियां की। इसके बाद भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने उनकी शिकायत की थी। इसी मामले में अपना फैसला सुनाते हुए आजम खान को कोर्ट ने दोषी करार दिया। अपने बयान में आजम खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कई आरोप लगाए थे। चुनाव आयोग ने इस पर संज्ञान लिया था और एफआईआर दर्ज कराया गया था। उनके बयान को लेकर भड़काऊ और नफरत फैलाने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं।

ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी मामले पर सुनवाई खत्म, 8 नवंबर को आएगा कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वाराणसी जिला अदालत गुरुवार को ज्ञानवापी मस्जिद और श्रृंगार गौरी मामलों की सुनवाई पूरी कर ली है। इस जगह को हिंदुओं को सौंपने के लिए हिंदू पक्ष द्वारा जिला अदालत में मांग की गई है। मुस्लिमों के प्रवेश पर रोक के अलावा इबादत की इजाजत मांगने वाली याचिका भी दायर की गई है। हालांकि कोर्ट ने अगली सुनवाई तक इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने आदेश के लिए 8 नवंबर की तारीख नियत कर दी है।

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सर्वेक्षण के दौरान हिंदू पक्ष ने दावा किया कि वजूखाना में एक कथित शिवलिंग पाया गया था। जिसके बाद कोर्ट में एक और अर्जी दाखिल की गई। उस याचिका में कोर्ट से उक्त शिवलिंग की पूजा करने की इजाजत मांगी गई है। इसके अलावा याचिका में मांग की गई है कि उक्त शिवलिंग का स्थान हिंदू पक्ष को सौंपा जाए। जबकि याचिका में मुसलमानों के प्रवेश पर रोक लगाने की भी मांग की गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में हुई थी सुनवाई

इससे पहले बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के ज्ञानवापी विवाद से जुड़े एक मामले की सुनवाई की. हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट में यह सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। इंतजामिया कमेटी ने बुधवार को कोर्ट में अपनी दलीलें पेश कीं। मस्जिद समिति ने बुधवार को वक्फ अधिनियम और पूजा स्थल अधिनियम 1991 का उल्लेख किया। हालांकि बुधवार को मस्जिद कमेटी की चर्चा पूरी नहीं हो सकी। कोर्ट अब इस मामले की सुनवाई 3 नवंबर को करेगी। मुस्लिम पक्ष पहले 3 नवंबर की सुनवाई में अपनी दलीलें खत्म करेगा। उसके बाद विपक्ष को अपना पक्ष रखने का मौका मिलेगा। ज्ञानवापी मस्जिद की इंतजामिया कमेटी ने इस मामले में राखी सिंह और पांच महिला वादी और यूपी सरकार समेत 10 लोगों को पक्षकार बनाया है।

'सितरंग' चक्रवात पड़ा कमजोर तटवर्ती राज्यों में खतरा टला, पर बारिश की आशंका: आईएमडी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बंगाल की खाड़ी में बने तूफानी चक्रवात 'सितरंग' के कमजोर पड़ने से देश के तटवर्ती राज्यों का खतरा टल चुका है। हालांकि, मौसम में आए अचानक बदलाव की वजह से अब भी कई इलाकों में बारिश का दौर खत्म नहीं हुआ है। चक्रवाती तूफान सितरंग की वजह से पश्चिम बंगाल असम और दक्षिण भारत के कई इलाके में हल्की से मध्यम बारिश जारी है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में ठंड बढ़ने के साथ ही वायु प्रदूषण भी बढ़ने लगा है। दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण बहुत खराब श्रेणी में है और यूपी-बिहार का मौसम शुष्क बन हुआ है।

मौसम विभाग के मुताबिक, 29 और 30 अक्टूबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही बिजली कड़कने के भी आसार हैं। वहीं, 30 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों, रायलसीमा, केरल और माहे में भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 30 अक्टूबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बहुत भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है। इतना ही नहीं, आज यानी 27 और 28 अक्टूबर यानी अगले 2 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों मसलन असम, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में हल्की बारिश की संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान देश के बाकी हिस्सों में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

अगर चक्रवात सितरंग की बात करें तो लैंडफॉल के बाद चक्रवात तूफान कमजोर हो गया और अब वह चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र के रूप में असम और आसपास के क्षेत्रों में है। मौसम संबंधी जानकारी देने वाली वेबसाइट स्काईमेट के मुताबिक, एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और आसपास के क्षेत्रों पर बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश हुई। इतना ही नहीं, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप के इलाकों में भी बारिश देखी गई। देश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा, मगर दक्षिण भारत के राज्यों में आज बारिश हो सकती है।

वहीं, दिल्ली-एनसीआर में ठंड के साथ ही दिवाली के बाद वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। राजधानी क्षेत्र में अनुकूल गति से हवाएं चलने से दिल्ली की वायु गुणवत्ता में बुधवार सुबह सुधार हुआ, लेकिन यह अब भी दूषित है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह छह बजे राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 262 दर्ज किया गया, जो मंगलवार शाम चार बजे दर्ज एक्यूआई (303) से बेहतर है। सोमवार यानी दिवाली के दिन शाम चार बजे दिल्ली का एक्यूआई 312 था। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी देखने को मिल रही है।

दक्षिण पश्चिम मानसून ने पूरे देश से बीते रविवार को ही विदाई ले ली। इस बार मानसून की वापसी सामान्य समय से एक हफ्ते बाद हुई। आईएमडी यानी भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि भारत में लगातार चौथे साल मानसून सामान्य रहा है। 925 मिमी बारिश दर्ज की गई जो 880 मिमी की लंबी अवधि के औसत (एलपीए) का 106 प्रतिशत है। सितंबर में हुई बारिश ने उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर में वर्षा की कमी पूरी करने में मदद की लेकिन कुछ राज्यों में धान की मुख्य फसल को इससे कोई फायदा नहीं हुआ।

दक्षिण पश्चिम मानसून आम तौर पर 30 सितंबर तक चला जाता है लेकिन इस बार 30 सितंबर के बाद भी बारिश हुई। इसकी वजह मध्य प्रदेश और दक्षिण गुजरात के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण का सक्रिय होना और इसका मध्य अक्षांश मौसम प्रणालियों के साथ जुड़ाव होना था जिससे उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के इलाकों में अक्टूबर में बारिश हुई। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, मानसून के बाद एक से 23 अक्टूबर के बीच 104 मिमी बारिश हुई जो मौसम में 63.2 मिमी की सामान्य वर्षा से 65 फीसदी अधिक थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचीन सरकारी अनाज गोदाम में से अनाज माफ़िया के द्वारा हेराफेरी करते पुलिस ने जप्त किया तीन ट्रक

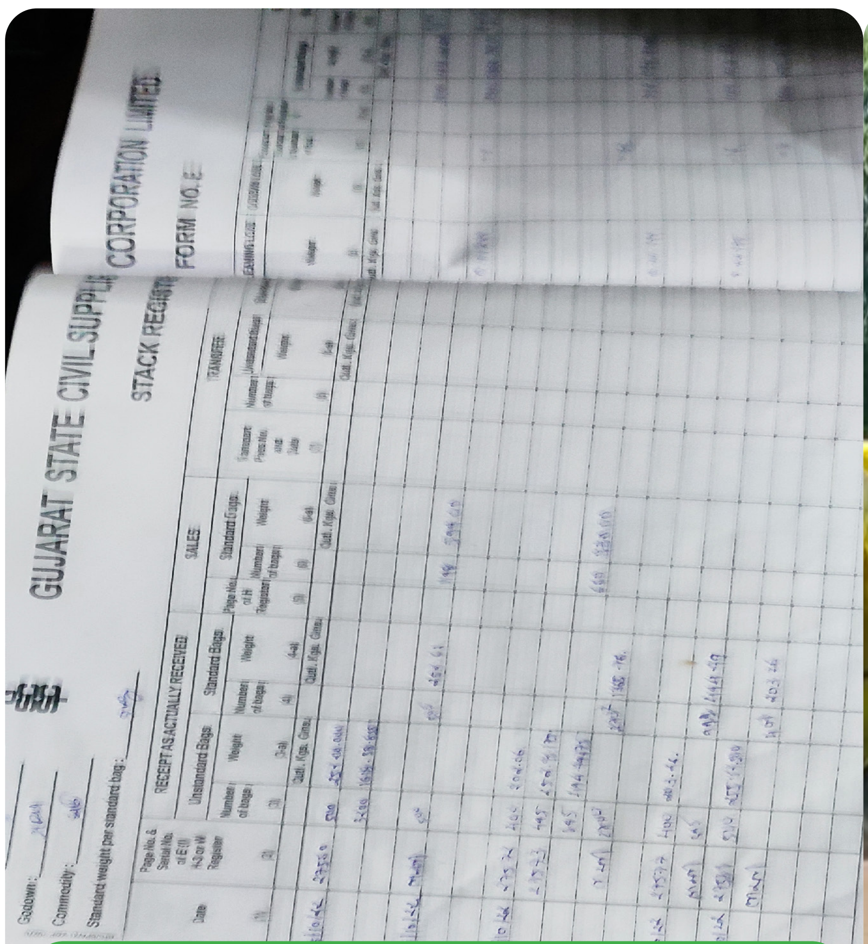

स्ट्रोक रजिस्टर में कोई रेकोर्ड ही नही

जप्त किये गए ट्रक

गोल-गोल जवाब देते हुए मामलतदार

जागरूक नागरिक के द्वारा सरकारी अनाज की गाडियों पकड़े जाने के बाद भी कार्यवाही के नाम पर कार्यवाही कर सेटिंग.कॉम की कार्यवाही करने का अंदाज ?

सुबह की घटना होने के बाद शाम तक अधिकारीगण रहे गायब ?

जागरूक नागरिक के द्वारा सरकारी अनाज की गाडियों पकड़े जाने के बाद भी कार्यवाही के नाम पर कार्यवाही कर सेटिंग.कॉम की कार्यवाही करने का अंदाज ?

पुलिस ने गाड़ी जप्त कर खाद्यान्न विभाग के अधिकारी को जानकारी देने के बाद भी कार्यवाही के नाम पर जाँच के नाम पर जाँच कर रहे ?

सचीन सरकारी अनाज की गोदाम लावारिस हालत में होने से देरात पुलिस की मोजूदगी में खाद्यन्न विभाग के अधिकारी ने गोदाम को सील किया.

घटना की जानकारी सुरत कलेक्टर को दिए जाने के बाद भी देर शाम तक कोई कार्यवाही न होने से जनता जनार्दन में उठे अनेक तर्क-वितर्क के सवाल ?